सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व -पेज: 7

सनी संसारी की तुलसी कुमारी में सान्या मल्होत्रा का बोल्ड नया अवतार! -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 176 | शुक्रवार 03 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

पीएम मोदी दिल्ली में मनाएंगे दशहरा, रावण दहन से पहले राजधानी में सुरक्षा चाक-चौबंद

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन रामलीला समिति द्वारा आयोजित दशहरा उत्सव में भाग लेंगे। पूर्वी दिल्ली के डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि प्रधानमंत्री शाम 7 बजे से 7:30 बजे के बीच रावण के पुतले का दहन करेंगे। डीसीपी ने कहा, प्रधानमंत्री की भागीदारी को देखते हुए इस विशेष रामलीला के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सुरक्षा और सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से तैयारी की गई है, और सभी मार्गों तथा आयोजन स्थलों का सुरक्षा ऑडिट पूरी तरह से किया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्वी जिले में इस समय लगभग 2,500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, पुलिस ने सभी रामलीला आयोजकों के साथ बैठकें करके उन्हें सुरक्षा दिशानिर्देश भी दिए हैं।

राहुल के लोकतंत्र वाले बयान पर भड़के रविशंकर, बोले- जनता माफ नहीं करेगी

प्रसाद ने इसे भारत का अपमान बताते हुए कहा कि देश में पूर्ण लोकतंत्र है

भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी के उस बयान की कड़ी निंदा की जिसमें उन्होंने विदेश में भारत के लोकतंत्र पर हमले का आरोप लगाया था। प्रसाद ने इसे भारत का अपमान बताते हुए कहा कि देश में पूर्ण लोकतंत्र है, जबकि राहुल सत्ता के लिए ऐसी निराधार बातें कर रहे हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर विदेशी धरती पर भारत का "अपमान" करने का आरोप लगाया और केंद्र सरकार पर उनके "लोकतंत्र पर हमले" के आरोप का बचाव किया। यहाँ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी सत्ता के लिए ऐसी टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के विकास को "गाली" देने का भी आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी विदेश में हैं। अच्छा होता अगर वह भारत की भलाई की कामना करते, लेकिन वह भारत पर हमला कर रहे हैं। वह हर बात निराधार कहते हैं। वह कहते हैं कि भारत में लोकतंत्र नहीं है। यहाँ पूर्ण लोकतंत्र है, लेकिन राहुल गांधी के साथ समस्या यह है कि वह सत्ता चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, "कोलंबिया के बोगोटा में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत में लोकतंत्र नहीं है और लोगों को बोलने की आजादी नहीं है। राहुल गांधी सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री मोदी और देश के विकास को गाली देते हैं।" भाजपा सांसद ने कहा कि अगर राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं के दौरान भारत का अपमान करते रहेंगे, तो जनता उन्हें वोट नहीं देगी। प्रसाद ने आगे कहा कि चीन के प्रति उनका प्रेम तब स्पष्ट हो गया था जब उन्होंने कहा था कि भारत एक वैश्विक शक्ति नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि अगर आप विदेश जाकर भारत का अपमान करेंगे, तो जनता आपको वोट नहीं देगी और आप इस बार जीती हुई सीटें नहीं जीत पाएँगे। अब आप चीन की तारीफ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत एक बड़ी वैश्विक शक्ति नहीं बन सकता, लेकिन चीन दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी बनने की राह पर है। चीन के प्रति आपका प्रेम साफ दिखाई देता है और आप भारत का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उनकी यह टिप्पणी गुरुवार को गांधी द्वारा नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोकतंत्र पर हमला है। कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गांधी ने "संरचनात्मक खामियों" के मुद्दे पर प्रकाश डाला और सुझाव दिया कि देश की विविध परंपराओं को फलने-फूलने दिया जाना चाहिए। गांधी ने कहा कि भारत में इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में मजबूत क्षमताएँ हैं, इसलिए मैं देश को लेकर बहुत आशावादी हूँ। लेकिन साथ ही, इस ढाँचे में कुछ खामियाँ भी हैं जिन्हें भारत को ठीक करना होगा। सबसे बड़ी चुनौती भारत में लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। कांग्रेस नेता ने तर्क दिया कि विविधता के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था बेहद जरूरी है, जो धार्मिक मान्यताओं सहित विभिन्न परंपराओं, रीति-रिवाजों और विचारों को पनपने देती है। हालाँकि, उन्होंने आगे कहा कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला हो रहा है, जो एक "बड़ा जोखिम" या खतरा है। गांधी ने कहा कि भारत में कई धर्म, परंपराएँ और भाषाएँ हैं - वास्तव में, यह देश अनिवार्य रूप से इन सभी लोगों और संस्कृतियों के बीच एक संवाद है। विभिन्न परंपराओं, धर्मों और विचारों को जगह की आवश्यकता होती है, और उस जगह को बनाने का सबसे अच्छा तरीका लोकतांत्रिक व्यवस्था है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की शस्त्र पूजा: बोले- भारत जब चाहे, पाकिस्तान को देगा मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को विजयादशमी के अवसर पर भुज सैन्य अड्डे पर शस्त्र पूजा की। इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और दक्षिणी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भी उपस्थित थे। ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली एल-70 एयर डिफेंस (एडी) तोप भी समारोह के दौरान रक्षा मंत्री को विशेष रूप से भेंट की गई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, एल-70 एयर डिफेंस तोप ने असाधारण प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया। यह तोप, जो प्रति मिनट 300 राउंड फायर कर सकती थी और 3,500 मीटर दूर तक के लक्ष्यों को भेद सकती थी, पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, "चाहे वह आतंकवाद हो या किसी भी अन्य प्रकार की समस्या, आज हमारे पास इससे निपटने और इसे हराने की क्षमता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस क्षेत्र तक भारत की रक्षा प्रणाली में सेंध लगाने का असफल प्रयास किया था। भारत के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया और दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत के सशस्त्र बल जब चाहें, जहां चाहें और जैसे चाहें, पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।" रक्षा मंत्री भुज सैन्य अड्डे पर शस्त्र पूजा से पहले सैनिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि, "जब हम किसी शस्त्र की पूजा करते हैं, तो हम उस शक्ति का उपयोग केवल धर्म और न्याय की रक्षा के लिए करने का संकल्प भी लेते हैं। भगवान राम ने अपने जीवन में इसी संकल्प का परिचय दिया। जब उन्होंने रावण के विरुद्ध युद्ध किया, तो उनके लिए वह युद्ध केवल विजय का साधन नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना का साधन था।" रक्षा मंत्री ने कहा, "जब महाभारत का युद्ध भगवान कृष्ण के मार्गदर्शन में लड़ा गया था, तब भी उसका उद्देश्य पांडवों की विजय सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना करना था। शस्त्र पूजा इस बात का प्रतीक है कि भारत न केवल शस्त्रों की पूजा करता है, बल्कि समय आने पर उनका उपयोग करना भी जानता है।"

भारत में लोकतंत्र पर 'हमला सबसे बड़ा खतरा', राहुल गांधी ने कोलंबिया से मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी): कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र की एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'लोकतंत्र पर हो रहा हमला' भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है। राहुल ने कहा, लोकतंत्र पर हमला सबसे बड़ी चुनौती राहुल गांधी ने स्वीकार किया कि भारत में इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में मजबूत क्षमताएं हैं, जिसके कारण वह देश के भविष्य को लेकर आशावादी हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि देश को कुछ 'संरचनात्मक खामियों' को ठीक करने की जरूरत है, जिनमें सबसे बड़ी चुनौती लोकतंत्र पर हो रहा व्यापक हमला है। गांधी ने जोर देकर कहा कि भारत कई धर्मों, परंपराओं, भाषाओं और विचारों का देश है। इन विविध संस्कृतियों को फलने-फूलने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था ही सबसे अच्छा स्थान देती है, और इसी व्यवस्था पर हमला हो रहा है, जो कि एक 'बड़ा खतरा' है। भाजपा-आरएसएस पर जमकर साधा निशाना राहुल गांधी ने आरएसएस और भाजपा की विचारधारा पर भी तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'कायरता' उनकी विचारधारा के मूल में है। उन्होंने विदेश मंत्री के एक बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'चीन हमसे कहीं अधिक शक्तिशाली है, इसलिए हम उनसे झगड़ा कैसे कर सकते हैं?' गांधी ने इसे 'कायरता' बताया। आरएसएस की विचारधारा को समझाने के लिए, गांधी ने विनायक दामोदर सावरकर की किताब से एक घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सावरकर ने लिखा था कि एक बार उन्होंने और उनके दोस्तों ने एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी, जिस पर उन्हें बहुत खुशी हुई। गांधी ने कहा, 'कमजोर लोगों को पीटना, यही आरएसएस की विचारधारा है।' उन्होंने इसे कायरता बताते हुए कहा कि यह विचारधारा ताकतवर लोगों से दूर भागती है और कमजोर लोगों को निशाना बनाती है। राहुल गांधी ने हाल ही में लद्दाख में हुए विरोध प्रदर्शनों के लिए भी भाजपा-आरएसएस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार लद्दाखियों को 'आवाज' नहीं दे रही है।

'आई लव मुहम्मद' विवाद के बाद बरेली मंडल हाई अलर्ट पर, दशहरा को लेकर चप्पे-चप्पे पर पुलिस

बरेली (एजेंसी): बरेली मंडल के चार जिलों में गुरुवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। पुलिस, प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवानों को सड़कों पर तैनात किया गया और ड्रोन से निगरानी की गई। अधिकारियों ने बताया कि दशहरा उत्सव के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने बरेली, शाहजहाँपुर, पीलीभीत और बदायूं जिलों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। पुलिस बलों को रामलीला मैदान, दुर्गा पूजा मेलों और रावण दहन कार्यक्रमों में सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, जहाँ भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। चौधरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि सभी जिला मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारियों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी ज़िम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करना चाहिए। किसी भी चूक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी नए विवाद को रोकने के लिए खुफिया टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया है। संवेदनशील जगहों पर सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "हम पूरी तरह से पुख्ता इंतजाम कर रहे हैं ताकि बरेली में हुई हिंसा पड़ोसी जिलों तक न फैले।" संदिग्ध दंगाइयों और उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। मंगलवार को इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के जिला प्रमुख शमसाद को एक और संदिग्ध ताजीम के साथ अलग-अलग पुलिस मुठभेड़ों के बाद गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि आईएमसी प्रमुख मौलवी तौकीर रजा खान, उनके कुछ करीबी सहयोगियों और यहां तक कि एक रिश्तेदार को भी हिरासत में लिया गया है। सीसीटीवी और ड्रोन फुटेज का उपयोग करके, हमारी टीम भीड़ को उकसाने में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए काम कर रही है। जिले में बीएनएस की धारा 144 और 163 लागू हैं। नफीस मौलाना तौकीर रजा का सहयोगी है, जिन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है

पीएम मोदी ने मल्लिकार्जुन खड़गे से की बात, सर्जरी के बाद शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, "खड़गे जी से बात की। उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उनके निरंतर स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूँ।" खड़गे, जिन्हें हाल ही में पेसमेकर लगाया गया था, की हालत स्थिर बताई गई है और उनके 3 अक्टूबर से अपने आधिकारिक कार्यों को फिर से शुरू करने की उम्मीद है, उनके बेटे और कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, प्रियांक खड़गे ने कहा, "श्री खड़गे के लिए पेसमेकर प्रत्यारोपण प्रक्रिया आज सफलतापूर्वक पूरी हो गई। यह एक छोटी और मामूली प्रक्रिया थी और प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है। उनके 3 अक्टूबर से अपना काम फिर से शुरू करने और अपने सभी निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद है। सभी की चिंता, समर्थन और स्नेह के लिए हम आभारी हैं।" एक दिन पहले, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इलाज के लिए बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस बीच, खड़गे 7 अक्टूबर को कोहिमा का दौरा करेंगे और नागा सॉलिडैरिटी पार्क में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। नागालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद एस सुपोंगमेरेन जमीर ने कोहिमा स्थित कांग्रेस भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की। जमीर के अनुसार, कांग्रेस को इस रैली में कम से कम 10,000 लोगों के जुटने की उम्मीद है। "सुरक्षित लोकतंत्र, सुरक्षित धर्मनिरपेक्षता और सुरक्षित नागालैंड" थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में युवा रोजगार, उद्यमिता, सुशासन और सड़क संपर्क जैसे प्रमुख मुद्दों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। बयान में कहा गया है कि रैली के बाद खड़गे और कांग्रेस राजनीतिक मामलों की समिति, समर्थक समिति और जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के अध्यक्षों के वरिष्ठ सदस्यों के बीच अलग-अलग बैठकें होंगी। कांग्रेस सांसद ने जोर देकर कहा कि यह रैली न केवल एक पार्टी समारोह है, बल्कि नागालैंड और पूर्वोत्तर के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने का एक राजनीतिक मंच भी है। उन्होंने नागरिकों, खासकर अल्पसंख्यकों से रैली में शामिल होने और अपनी चिंताओं को आवाज देने की अपील की, जिसे उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय नेता आगे बढ़ाएँगे।

आरएसएस प्रमुख भागवत का ट्रंप के टैरिफ पर वार, बोले- स्वदेशी अपनाकर आत्मनिर्भर बनें

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने विजयदशमी भाषण में अमेरिका की टैरिफ नीति की आलोचना करते हुए स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक निर्भरता मजबूरी नहीं बननी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में अपने विजयदशमी भाषण के दौरान अमेरिका द्वारा लागू की गई टैरिफ नीति की आलोचना की। आरएसएस प्रमुख ने स्वदेशी पर अधिक भरोसा करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा लागू की गई नई टैरिफ नीति उनके अपने हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। लेकिन इससे सभी प्रभावित होते हैं... दुनिया एक-दूसरे पर निर्भर होकर चलती है; किन्हीं भी दो देशों के बीच संबंध इसी तरह कायम रहते हैं। कोई भी देश अलग-थलग नहीं रह सकता। यह निर्भरता मजबूरी में नहीं बदलनी चाहिए... हमें स्वदेशी पर भरोसा करने और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है... फिर भी अपने सभी मित्र देशों के साथ राजनयिक संबंध बनाए रखने का प्रयास करें, जो हमारी इच्छा से और बिना किसी मजबूरी के होंगे। मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया वैश्विक चिंताओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रही है। ब्रह्मांड चाहता है कि भारत उदाहरण पेश करे और दुनिया को रास्ता दिखाए। मोहन भागवत ने भारत की अनूठी विविधता पर भी प्रकाश डाला और कहा कि विविधता को भिन्नता में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी कुछ विदेशी विचारधाराएँ भारत आईं, हमने उन्हें अपना माना। हम दुनिया की विविधता को स्वीकार करते हैं... हमारे देश में, इस विविधता को भिन्नता में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं... सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे शब्दों से किसी भी आस्था या विश्वास का अपमान या अपमान न हो। भागवत ने कहा कि जब समाज में विविध मान्यताओं वाले कई लोग एक साथ रहते हैं, तो समय-समय पर कुछ शोर और अराजकता हो सकती है। इसके बावजूद, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नियम-कानूनों के साथ-साथ सद्भाव का उल्लंघन न हो। कानून को अपने हाथ में लेना, सड़कों पर उतरना और हिंसा और गुंडागर्दी का सहारा लेना सही नहीं है। किसी विशेष समुदाय को भड़काने की कोशिश करना और शक्ति प्रदर्शन करना, ये सब पूर्व नियोजित षड्यंत्र हैं। आरएसएस प्रमुख ने महात्मा गांधी को भी उनकी जयंती पर याद किया। अपने वार्षिक विजयादशमी भाषण में भागवत ने कहा, "आज महात्मा गांधी की जयंती है। वे न केवल हमारी स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों में अग्रणी थे, बल्कि उन लोगों में भी उनका विशेष स्थान है जिन्होंने भारत के स्वत्व पर आधारित स्वतंत्रता के बाद के भारत की कल्पना की थी।" भागवत ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र के प्रति उनकी भक्ति, समर्पण और सेवा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "आज पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की भी जयंती है, जो सादगी, विनम्रता, सत्यनिष्ठा और दृढ़ संकल्प के प्रतीक थे और जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।" भागवत ने आगे कहा, "वे हमारे लिए राष्ट्र के प्रति समर्पण, समर्पण और सेवा के अनुकरणीय प्रतीक हैं। वे हमें सिखाते हैं कि कैसे एक व्यक्ति सच्चे अर्थों में मानव बन सकता है और उसके अनुसार जीवन जी सकता है।"

संपादकीय

पीओके में 'जय हिंद'

पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आजकल नारे लगाए जा रहे हैं-'जय हिंद, जय हिंद।' वहां के लोग पाकिस्तान की हुकूमत और फौज से इतने आजिज आ चुके हैं कि वे अब भारत में विलय चाहते हैं। यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पीओके में रोजी-रोटी, आम जिंदगी, रोजगार, महंगाई और संसाधनों की लूट के मद्देनजर आंदोलन चलाए जाते रहे हैं। हुकूमत को ज्ञापन भी दिए गए हैं, लेकिन अब वहां की अवाम विद्रोह पर उतर आई है। ऐसे भी नारे लगाए जा रहे हैं-'यह जो दहशतगर्दी है, उसके पीछे वर्दी है।' विद्रोहियों ने फौज और पुलिस के वर्दीधारियों पर प्रतिघात भी किए हैं। बलूचिस्तान में फौज का अस्तित्व लंबे वक्त से बलूच लड़ाकों के रहम-ओ-कर्म पर है। हाल ही में क्वेटा में एक ताकतवर बम विस्फोट किया गया, जिसमें 10 मौतें हो गईं और कई घायल हुए। अब आसार पुख्ता होने लगे हैं कि पाकिस्तान का विभाजन अपरिहार्य है। पीओके और बलूच के अलावा खैबर और सिंध में भी आजादी के आंदोलन जारी हैं। पीओके के विद्रोही 'आजाद' होने पर आमादा हैं। बलूच अपनी 'आजादी' के लिए लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। वे अपने बेशकीमती खनिजों का सौदा, पाकिस्तानी हुकूमत के द्वारा, अमरीका या चीन के साथ, करने का धुर विरोध कर रहे हैं। बलूच इन प्राकृतिक संसाधनों को अपनी स्वाभाविक, अमूल्य संपदा मानते रहे हैं, लिहाजा सौदेबाज हुकूमत और फौज के चेहरों पर जानलेवा प्रहार भी करते रहे हैं। पीओके के संदर्भ में 1994 से कई बार हमारी संसद प्रस्ताव पारित कर चुकी है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला कश्मीर भी हिंदुस्तान का अविभाज्य हिस्सा है। पाकिस्तान उसे लौटा दे। यह मुद्दा प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान भी उठाते रहे हैं। दरअसल भारत सैन्य कार्रवाई को 'अंतिम विकल्प' मानता है। पीओके स्वतंत्र भारत की सुबह में ही तत्कालीन सत्ताधीशों की ऐतिहासिक गलतियों की भी डरावनी याद को ताजा करता है। यदि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू अचानक युद्धविराम का फैसला नहीं करते, तो पीओके अस्तित्व में ही नहीं आता। नतीजतन करीब 72,935 वर्ग किमी क्षेत्रफल का भूभाग पाकिस्तान के कब्जे में ही रहा, जो आज भी यथावत है। बल्कि 42,735 वर्ग किमी का भूभाग आज भी चीन अधिकृत कश्मीर कहलाता है। उसमें अक्साई चिन आदि के क्षेत्र आते हैं। भारत प्रशासित जम्मू-कश्मीर 1,06,566 वर्ग किमी में है, जबकि इससे दोगुने क्षेत्र का विलय भारत में हुआ था। बहरहाल उस गलती के 78 लंबे साल गुजर चुके हैं। हमारे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री जयशंकर समय-समय पर बयान देते रहे हैं कि पीओके के निवासी, अपने विद्रोह के बूते, अपने आप हमारी तरफ लौट आएंगे। यह भरोसा भावुक और कहानीमय तो हो सकता है, लेकिन हम इसे बिल्कुल भी आसान नहीं मानते, क्योंकि वहां के क्षेत्रों में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा बनाया जा रहा है। चीन अरबों रुपए खर्च कर चुका है और अपने इंजीनियरों और कर्मचारियों को भी मरवा चुका है। चीन के मंसूबे विस्तारवादी भी हैं। लिहाजा पीओके को बहुत मुश्किल लड़ाई लडी पड़ेगी। बेशक पाकिस्तान के पास सशस्त्र सेना भी है। वह आज भी बम गिरा कर या गोलीबारी में अपने ही मुल्क के लोगों को मार रहा है।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए।

सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है।

दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पापांकुशा एकदशी का व्रत करने से मिट जाते है सभी पाप

कांतिलाल मांडोत

आज पापांकुशा एकादशी का पर्व है। पर्व का अर्थ है, कुछ विशेष दिन। पर्व पवित्रता और श्रेष्ठता का भी सूचक है। ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक पत्र की पाँच तिथियाँ पर्व-तिथि कहलाती हैं। द्वितीया, पंचमी, अष्टमी, एकादशी तथा चतुर्दशी एवं पूर्णिमा। पर्व-तिथि मानने का भी एक मनौवैज्ञानिक तथा कर्मशास्त्रीय कारण है।द्रव्य, क्षेत्र, काल, समय आदि का प्रभाव भी कर्मों को उदय व क्षयोपशम भाव में उनके तीव्र-मन्द प्रभाव में निमित्त बनता है। किसी समय में जैसे पुष्प नक्षत्र आदि हैं। प्रारम्भ की गई ज्ञानाराधना तथा अमुक नक्षत्र में ध्यान-साधना विशेष शीघ्र फलदायी होती है। वैसे ही अमुक तिथि को किया गया अमुक कार्य शीघ्र लाभदायी होता है। तिथियों का सम्बन्ध ज्योतिष शास्त्र से है। ज्योतिष का आधार है यह कर्मयोगी। मुख्य बात यह है कि इन तिथियों में विशेष धर्मध्यान, तप, त्याग करके शुभ भावनापूर्वक समय को सार्थक बना देने का उद्देश्य है, जिससे प्राणी को शुभ गति का बंध हो सकता है। दो दिन के अन्तर से एक दिन जीवन में शुभ ध्यान ध्याने के उद्देश्य से पर्व-तिथियों में उपवास, एकासना या विविध त्याग करके धार्मिक संस्कारों को जीवन्त रखा जाता है। इन्हीं पर्व-तिथियों में पापाकुंशा एकादशी एक विशेष पर्व है।

एकादशी की लिखावट की ओर ध्यान दीजिये। इसमें एक का अंक दो बार लिखा गया है। गणित में 1से 1 तक के अंक हैं। इनमें 1 का अंक कुछ विशेष महत्त्व रखता है।1 यह एकाकी शक्ति है। यदि इसके पास एक दूसरा 1अंक रख दिया तो दो एका 1-1 मिलकर ग्यारह (11) हो गये। दो एक मिलते ही एक की शक्ति दस गुनी बढ़ गई। अध्यात्मशास्त्र में पहला 1 अंक ज्ञान का प्रतीक है, दूसरा 1अंक आचरण का प्रतीक है। अगर अकेला ज्ञान है, तो वह मात्र एक के अंक का मूल्य रखता है, किन्तु यदि ज्ञान के साथ आचरण भी जुड़ गया तो उस ज्ञान की शक्ति गुना बढ जाती है।

आज पूरी श्रद्धा के साथ पापाकुंशा एकादशी का व्रत कर प्रभु से घर मे सुख शांति का वरदान की कामना करता है।बड़े बड़े अपराध समाप्त हो जाते है।सभी पाप नष्ट हो जाते है।जीवन मे सौभाग्य की कामना के लिए इस व्रत का बहुत अधिक महत्व है।पापांकुशा एकादशी के व्रत के पीछे पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत को करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।हिन्दू धर्म मे एकादशी का बड़ा महत्व है।हर माह में शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की एकादशी का बहुत महत्व है।ये तिथियां भगवान विष्णु को समर्पित होती है।भगवान को समर्पित होने वाली तिथियां का महत्व बढ़ जाता है।उस तिथि पर व्रत,दान और तप आराधना का फल शीघ्र मिलता है।आज अश्वनी माह की शुक्ल पक्ष की पापांकुशा एकदशी का व्रत कर भगवान से सुख -समृद्धि का वरदान मांगते है।पापों के नाश करने वाली पापांकुशा एकादशी मन की शांति और समृद्धि का धोतक है।यह एकादशी मन वांछित फल प्राप्ति के लिए वरदान से कम नही है।मृत्यु के पश्चात मोक्ष प्रदान करती है।लोगो की मान्यता है कि इस व्रत को रखने के लिए यमलोक की यातना से छुटकारा मिल जाता है।अर्थात यमलोक में यातना नही सहन करनी पड़ती है।पापांकुशा एकदशी पर ब्राह्मणों को को भोजन कराकर उनको दक्षिणा देने की परम्परा आज भी अक्षुण्ण है।तुलसी जी को विष्णुप्रिया भी कहा गया है। ऐसे में तुलसी पत्र के बिना विष्णु जी का भोग अधूरा माना जाता है। अगर आप अपनी मनोकामना की पूर्ति चाहते हैं, तो एकादशी की पूजा के भोग में तुलसी दल जरूर रखें।

मान्यता है कि वनवास से लौटने के बाद भगवान राम और उनके भाई भारत का मिलाप भी इसी एकादशी के दिन हुआ था। इसी कारण से इस तिथि का महत्व अनंत गुना बढ़ जाता है। पापांकुशा एकादशी व्रत करने से आध्यात्मिक ऊर्जा की वृद्धि होती है । सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाने से सुख शांति में वृद्धि होती है। इस व्रत को करने से पापों पर अंकुश लग जाता है इसी कारण से पापांकुशा एकादशी कहा जाता है।

नियमों से ही परिवार समाज और राष्ट्र की संरचना होती नियमों औ? व्रतों को निखार और भार स्वरुपा नहीं समझना वाहिये परिवार, समाज और राष्ट्र में जीने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिये नियमों का पालन नितान्त आवश्यक है। आज देश में जो नियमों की अवहेलना हो रही है उसके पीछे स्वछंद वातावरण का प्रभाव है। स्वेच्छाचारिता की मनोवृति के चलते नियमबद्धता एक हवा बनाई जाती है। उसका प्रभाव बच्चों तक के जीवन पर पहुंचता है। परिणाम स्वरूप नियम भंग करना मामूली बात समझ ली जाती है ।बचपन से ही बच्चा अनियमित होना शुरू हो जाता है। आगे बढ़ कर वह बड़ा होने पर भी नियमों को दिल की तरह तोड़ता रहता है और अनेक असामाजिक कार्य करता है।व्रत, दान जीवन को व्यवस्थित करने के नियम है। धर्म प्राकृतिक और शासकीय नियमों को और अधिक विस्तार देता है तथा उन नियमों का आध्यात्मिक मूल्य प्रदान करता है। व्रत उपवास नियमों की ही घनात्मक साधना है। उन्नती सहन शीलता और क्षमता के नये द्वार उद् घाटित हो जाते हैं। जीवन और चरित्र की शुद्धि के नये आयाम स्थापित होते हैं।

व्रत जीवन के लिये के लिए विधान है जो जीवन की उपयोगिता को अनेक गुणा बढ़ा देते हैं। जीवान के क्रिया कलाप व्रत- नियमों से मर्यादित होकर ऐसे ही सार्थक हो जाते हैं जैसे नदी के दो किनारों से लगकर बहने वाला पानी का प्रवाह, किनारों के बीच बहने वाला प्रवाह जहाँ जन-जन के लिये लोक मंगल सम्पादित कर देता है।वही किनारों को तोड़ कर बहने वाला पानी भयंकर विनाशा पैदा कर देता है।

जीवन की धारा भी नियम व्रतों के मर्यादित तटो को स्पर्श करती हुई ही बहे । उसी से स्व-पर मंगल का पवित्र संपादना संभव होगा ।इस व्रत को करने वाला दिव्य फल प्राप्त करता है। इस व्रत को करने से सारे पाप मिट जाते हैं। इस एकादशी का व्रत करने से यमलोक के दुख को सहन नहीं करना पड़ता है। जो व्यक्ति पापांकुशा एकादशी का व्रत रखकर सोना, तिल, गाय, अन्न, जल, छाता और जूते का दान करता है उसके पूर्वजन्म के भयंकर पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इस व्रत को सभी प्रकार के पापों से मुक्ति प्रदान कर सुख देनेवाला माना गया है। एकादशी का व्रत ना केवल ग्रह गोचर को सुधारता है, बल्कि एकादशी व्रत करने से व्यक्ति का मन और तन दोनों स्वस्थ हो जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि एकादशी व्रत करने वाले व्यक्ति के ऊपर कमजोर चंद्रमा का प्रभाव नहीं होता।

अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन पापांकुशा एकादशी का व्रत रखा।बहेलिए ने विधि पूर्वक इस दिन भगवान विष्णु का पूजन किया और व्रत रखा। भगवान विष्णु की कृपा से बहेलिया को सारे पापों से मुक्ति मिल गई और मृत्यु के बाद जब यमदूत बहेलिए को यमलोक लेने के लिए आया तो वो चमत्कार देख कर हैरान हो गया। पापांकुशा एकादशी व्रत रखने के कारण बहेलिए के सभी पाप मिट चुके थे और जिसके चलते यमदूत को खाली हाथ यमलोक जाना पड़ा।बहेलिया भगवान विष्णु की कृपा से बैकुंठ लोक गया। यही सार इस पापांकुशा एकादशी का माना जाता है।

रामलीला में लालाओं की लीला : जब रावण भी हैरान हो उठा

विनोद कुमार सिंह

'दिल्ली के लालकिले की रामलीला : संस्कृति की आड़ में स्वार्थ,सत्ता, रुतबा का नाटक। लालकिले की रामलीला में केवल पुतला न जलाएँ, बल्कि उस व्यवस्था को भी जलाएँ जो रावण से भी भयावह है।'

दिल्ली का ऐतिहासिक लाल किला, जहाँ कभी स्वतंत्रता की पहली पुकार गूँजी और जहाँ प्रधानमंत्री हर 15 अगस्त को राष्ट्र को संबोधित करते हैं, हर वर्ष भव्य रामलीला का मंच सजाता है। ध्वनि, प्रकाश और आतिशबाजी के बीच रामायण का मंचन होता है और अंत में रावण का विशाल पुतला दहन कर बुराई के अंत का संदेश दिया जाता है।

लेकिन दुखद सच्चाई यह है कि मंच पर बैठे सफेदपोश नेता, व्यापारी और अधिकारी न तो राम के आदर्शों पर खरे हैं, न सीता की मयार्दा का सम्मान करते हैं, और न ही हनुमान की निष्ठा या लक्ष्मण की अनुशासनशीलता को जीते हैं। विडंबना यह है कि वे रावण जैसे विद्वान भी नहीं हैं, क्योंकि रावण जितना ही घमंडी था, उतना ही ज्ञानी और तपस्वी भी। आज मंच पर बैठे लोग केवल 'लाला' हैं, जो स्वार्थ और सत्ता के बाजार में व्यापारी बने हैं।

रावण दहन का दृश्य

शाम का समय... ऐतिहासिक लाल किले का भव्य प्रांगण। हजारों दर्शकों का समुद्र उमड़ा है। बच्चे गुब्बारे लिए, महिलाएँ और युवतियाँ संगीत पर नृत्य कर रही हैं, और युवा हर क्षण को मोबाइल में कैद कर रहे हैं। मंच पर राम, लक्ष्मण और हनुमान बने कलाकार सुसज्जित खड़े हैं। सामने 70-80 फुट ऊँचा रावण,मेघनाद और कुम्भकर्ण के पुतले आसमान छू रहे हैं। पटाखों से सजाया गया रावण अपने अंतिम क्षण का प्रतीक्षा कर रहा है—जब 'राम' अपने धनुष से अग्निबाण छोड़ेंगे।ज्यों ही अग्निबाण निकलता है, आतिशबाजी की गड़गड़ाहट होती है। रावण की मूँछें जलने लगती हैं, उसका पेट धमाके से फटता है, और पूरा पुतला धधक उठता है। भीड़ तालियों से गूँज जाती है—'जय श्री राम! जय श्री राम!'

लेकिन इस उत्सव के बीच एक गहरा क्षोभ जन्म लेता है। अग्निबाण छोड़ने वाले हाथ किसी मयार्दा-पुरुषोत्तम के नहीं, बल्कि स्वार्थ और भ्रष्टाचार में लथपथ सफेदपोशों के होते हैं। रावण जल रहा है, लेकिन असली रावण—भ्रष्टाचार, महँगाई, राजनीति का नाटक और सांस्कृतिक प्रदूषण—ठीक मंच पर मुस्करा रहा है।

रावण दहन के बाद : अव्यवस्था -

रावण का पुतला धधक कर राख हो चुका है।भीड़ तितर-बितर होने लगती है।जहाँ कुछ देर पहले 'मयार्दा' और 'धर्म' का जयघोष था, वहाँ अबः कचरे के ढेर—प्लास्टिक की बोतलें, गुटखा-पैकेट, डिस्पोजल प्लेटें हर तरफ बिखरी पड़ी हैं।

ट्रैफिक जाम—सैकड़ों गाड़ियाँ, हॉर्न की कानफोडू आवाजें, बच्चों की चीखें, और लोगों की झुंझलाहट। सरकारी महकमें, पुलिस और सुरक्षाकर्मी— वीआईपी वाहनों को निकालने में व्यस्त, .आम जनता की परेशानी से बेखबर।

यह दृश्य अन्दर तक झकझोर देता है। क्या यही बुराई पर अच्छाई की विजय है? या यह केवल 'तमाशा' है, जहाँ दिखावे की आग जलती है, और असल जीवन में अव्यवस्था और अन्याय और भी गहरा जाता है?रामलीला आयोजनों में सरकारें मदद देती हैं—हजारों यूनिट बिजली मुफ्त, भारी पुलिस बंदोबस्त, प्रशासन और नगर निगम का सहयोग। यह सब जनता के करों से होता है, लेकिन असल फायदा नेताओं और व्यापारियों को। जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में राहत नहीं मिलती, लेकिन 'वीआई पी रामलीला' के नाम पर करोड़ों की चमक-दमक जरूर दिखती है।

आयोजक दर्शकों को खींचने के लिए फिल्मी सितारों और विवादित हस्तियों को मंच पर बुलाते हैं। पूनम पांडे जैसी हस्तियों का नाम जुड़ना केवल आस्था का मजाक नहीं, बल्कि सीता की मयार्दा पर चोट है। विडंबना यह है कि जहाँ एक ओर सीता हरण का मंचन होता है, वहीं दूसरी ओर नारी-सम्मान को तार-तार करने वाली प्रवृत्तियों को बुलाकर तमाशा बनाया जाता है।

युवाओं का मोहभंग—जब वे देखते हैं कि रामलीला नेताओं और व्यापारियों की दुकान बन गई है, तो उनकी आस्था डगमगाती है।

रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं,बल्कि सांस्कृतिक एकता का धड़कता हृदय है।रावण का पुतला जलाना आसान है।असली चुनौती है -अपने भीतर और समाज-व्यवस्था में बसे रावण को जलाना। हमें अपने जीवन और व्यवस्था में छिपे भ्रष्टाचार,लोभ,सत्ता-लालसा, अन्याय और आडंबर के रावण को भी अग्निबाण से भस्म करना होगा।

अन्यथा इतिहास हमें याद दिलाएगा' उन्होंने हर साल रावण जलाया, लेकिन असली रावण को ताज पहनाकर मंच पर बैठा दिया।'

रामलीला का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं,बल्कि समाज को मयार्दा, त्याग और धर्म की शिक्षा देना है।यदि यह मंच सत्ता,स्वार्थ और बाजार का अड्डा बन जाए, तो यह हमारी संस्कृति और राष्ट्र की आत्मा दोनों के लिए खतरे की घंटी है।

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है।

एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से 'राष्ट्रीय मुस्लिम मंच' नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरू' जी रचित किताब 'ब्रंच ऑफ थॉट' का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें 'ब्रंच ऑफ थॉट' को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, 'रही बात, 'बंच ऑफ थॉट्स' की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।' इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, 'आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है. समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है।'

संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, 'हम एक देश की संतान हैं, भाई-भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिजर्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता. सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।'

संघ को लेकर एक आरोप लगता है कि वह जातिवादी है। विशेषकर संघ विरोधी बुद्धिजीवी कहने से नहीं हिचकते कि संघ में उच्च जातियों का वर्चस्व है। के एस भारती द्वारा संपादित और 1988 में प्रकाशित ह्यइनसाइक्लोपीडिया ऑफ एमिनेंट थिंकर के सातवें खंड में दिए विवरण के अनुसार महात्मा गांधी 1934 में वर्धा में आयोजित संघ के एक शिविर का दौरा किया था। तब वे बगल में ही सेवाग्राम आश्रम में ठहरे हुए थे। संघ के शिविर का जिज्ञासावश दौरा करने पहुंचे गांधी जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि गांधीजी को इस बात से और भी आश्चर्य हुआ कि वर्धा शिविर में अस्पृश्यता, जातिगत उपेक्षा या अन्य भेदभावपूर्ण तौर-तरीके बिलकुल नहीं थे। गांधी जी के दौरे वक्त संघ के शिविर में अप्पाजी जोशी थे। इससे गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे।

संघ और गांधी के संबंधों को लेकर भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लेकिन गांधी वांग्मय में संग्रहीत तथ्यों से इससे जुड़े वैचारिक कुहासे से भी भी पर्दा उठता है। गांधी वांग्मय के 87वें खंड में मिलता है। इसके अनुसार अप्रैल 1947 में दिल्ली में हिंदू-मुस्लिम एकता के संदर्भ में हुई एक प्रार्थना सभा में, गांधीजी ने बताया था कि उन्हें संघ से एक पत्र मिला है, जिसमें इस बात से इनकार किया गया है कि हाल ही में गांधीजी द्वारा अपनी सभाओं में कुरान की आयतों को गीता की आयतों के साथ रखने के विरोध में संघ का कोई हाथ था। गांधीजी ने कहा कि उन्हें इस खंडन के बारे में सुनकर खुशी हुई, और आगे कहाः 'कोई भी संगठन जीवन या धर्म की रक्षा नहीं कर सकता जब तक कि वह पूरी तरह से खुले तौर पर काम न करे।' सितंबर 1947 में गांधीजी नई दिल्ली में संघ कार्यकताओं से मिले थे। तब गांधी जी उनसे कहा था कि 'वास्तव में उपयोगी होने के लिए, आत्म-बलिदान के साथ-साथ पवित्र उद्देश्य और सच्चे ज्ञान का भी समावेश होना आवश्यक है।

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। संघ पर वामपंथी लोगों का विरोधी होने का भी आरोप लगता है। लेकिन संघ प्रमुख इसे भी साफ कर चुके हैं। राष्ट्र हित के संदर्भ में वाम विचारधारा पर सवाल उठने जायज हैं। वाम विचारधारा भारतीयता की धारणा को तार-तार करती है। लेकिन उसे मानने वाले लोगों से संघ कभी घृणा नहीं करता, नहीं विद्वेषभाव रखता है। संघ प्रमुख तो अब बार-बार कहते हैं कि भारत में जो भी हैं, सब अपने हैं। उन्हें अपने साथ जोड़ना है।

संघ ने शताब्दी वर्ष में जो पंच प्रतिष्ठा निर्धारित की है, उसमें तीसरा ह्यसामाजिक समरसताह्न है। सामाजिक समरसता के संदर्भ में संघ का मानना है कि भारत भूमि में रहने वाले सभी लोग अपने हैं। कुछ भटके हुए हैं, उन्हें अपने साथ जोड़ना है और भारत राष्ट्र को स्वावलंबी और मजबूत बनाना है। यह तभी संभव होगा, जब समूचे भारत का समाज एक होगा।

कलक्ट्रेट सभागार में मनाई गई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती

अमरोहा (सब का सपना):- इन दो महान विभूतियों के सिद्धांत आज भी हमें देश को आगे बढ़ाने का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा हम आज यहां गांधी जी और शास्त्री जी की जीवनी, जीवनशैली और आचरण से प्रेरणा लेने के लिए एकत्र हुए हैं। हमें इतिहास में डुबकी लगाकर स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन के मोती निकालने हैं और उन्हें अपने जीवन में लागू करना है, ताकि हमारा समाज और देश बेहतर व विकसित हो सके। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने आचरण और विचार की महत्ता पर बल देते हुए कहा, अगर ये दोनों व्यवस्थित कर लिए जाएं तो हमारा जीवन बेहतर हो जाएगा। उन्होंने कहा आप जिस पद पर या स्थान पर है। हर व्यक्ति अपने स्थान पर कुछ न कुछ दे सकता है न्याय, समानता या अपनी ज्ञान की भागीदारी। उन्होंने विचारों की शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि विचार ही हमारे मन को आगे बढ़ाते हैं। अगर हमारे विचार सही होंगे, तो हमारा समाज और देश प्रगति करेगा। हमें आचरण और विचार पर चिंतन करना होगा और अपने साथियों के साथ चर्चा कर इन्हें लागू करना होगा। महात्मा गांधी जी के अहिंसा, स्वराज और स्वदेशी के सिद्धांतों को आज के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों से जोड़ा। लाल बहादुर शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' के नारे को याद करते हुए उन्होंने कहा हमें किसानों को आधुनिक तकनीक और समर्थन देकर सशक्त करना होगा। साथ ही, हमारी सेना की ताकत को और मजबूत करना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि बिना शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य के देश का विकास संभव नहीं है। हमें सबको मिलकर अमरोहा को विकसित करना है, जिससे पूरा भारत विकसित होगा। इसके लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने अहिंसा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमें सबको साथ लेकर आगे बढ़ना है। आप जहां हैं, वहां से समाज को बेहतर बनाने में योगदान दें। गांधी जी और शास्त्री जी के विचारों को आत्मसात करके हम भारत की अर्थव्यवस्था और समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। बेहतर भारत के लिए जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे गांधी और शास्त्री के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारें और आचरण व विचारों में सुधार लाकर देश के विकास में योगदान दें। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह ने कहा कि गांधी जी के सिद्धांत न केवल भारत, बल्कि विश्व में प्रासंगिक हैं। उन्होंने अहिंसा को सबसे बड़ा धर्म बताया। उन्होंने कहा, गांधी जी ने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाकर जीवन में सुधार का रास्ता दिखाया। वे जो कहते थे, पहले स्वयं करते थे। उनके सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और भविष्य में भी मानव कल्याण के लिए मार्गदर्शन करेंगे। लाल बहादुर शास्त्री का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किया। अपर जिलाधिकारी ने आह्वान किया कि गांधी जी और शास्त्री जी के सिद्धांतों को अपनाकर हम समाज और देश के विकास में योगदान दें। अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि हमें गांधी जी की अहिंसा और सत्य की शक्ति के साथ-साथ शास्त्री जी के आत्मनिर्भरता और सादगी को अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी से अपने दायित्वों को संवैधानिक दायरे के भीतर समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें सत्य को पहचानकर और उसे आधार बनाकर समाज व देश को प्रगति के पथ पर ले जाना है। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों के सिद्धांतों को अपनाकर हम समाज और देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में गांधी जी के भजन रघुपति राघव राजाराम को प्रस्तुत करने वाली राजकीय महिला इंटर कॉलेज की छात्राओं एवं क्रॉस कंट्री दौड़ में विजयी खिलाड़ियों को जिलाधिकारी ने पुरस्कार वितरण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बृजपाल सिंह, उप जिलाधिकारी चंद्रकांता और उप जिलाधिकारी मसीह नजम ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कलेक्ट्रे परिवार के सदस्य और संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकताओं ने महात्मा गाँधी के चित्र पर किया माल्यार्पण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जन्मजयंती एवं अन्तराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर सुहलेदेव भारतीय समाज पार्टी अमरोहा के जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर सहित पार्टी पदाधिकारियों ने गाँधी मूर्ति चौराहा पहुँचकर महात्मा गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाकर जीवन में सुधार का रास्ता दिखाया। वे जो कहते थे, पहले स्वयं करते थे। उनके सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और भविष्य में भी मानव कल्याण के लिए मार्गदर्शन करेंगे। जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान, जय किसान के नारे को याद करते हुए कहा कि हमें किसानों को आधुनिक तकनीक और समर्थन देकर सशक्त करना होगा। साथ ही, हमारी सेना की ताकत को और मजबूत करना होगा। इस दौरान आदेश अमरोही, मोहम्मद यूनूस प्रधान, डॉ0 जगत सिंह, जसवीर सिंह आदि पार्टी पादाधिकारी मौजूद रहे।

थाने पर तैनात समस्त पुलिसकर्मियों को एंटी-रायट उपकरणों के बारे में दी गई जानकारी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्राधिकारी ने स्वयं पुलिसकर्मियों को एंटी रायट गन, टी.जी. गन, प्लास्टिक पेलेट ग्रेनेड आदि उपकरणों का प्रयोग कराकर उनके संचालन की बारीकियां समझाईं तथा वास्तविक परिस्थिति में इनके प्रयोग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया। उन्होंने पुलिसकर्मियों से कहा कि आने वाले त्यौहारों के दौरान शांति-व्यवस्था बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस हेतु सभी जवानों को हर स्थिति से निपटने के लिए सतर्क एवं तैयार रहना होगा। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने भी उपकरणों का अभ्यास किया और उन्हें प्रशिक्षण स्वरूप आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

मखदुमपुर ग्राम पंचायत में धूमधाम से मनाई गई महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड अमरोहा अंतर्गत मखदुमपुर ग्राम पंचायत में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। यह आयोजन गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों, ग्रामीणों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महात्मा गांधी के अहिंसा, सत्याग्रह और स्वच्छता के सिद्धांतों तथा शास्त्री जी के 'जय जवान-जय किसान' नारे को याद करते हुए सभी ने उनके जीवन आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चंद्रकांता और जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। ब्लॉक प्रमुख सरदार गुरेंद्र सिंह तथा ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) नीरज कुमार गर्ग ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। समारोह की शुरूआत गांधी जी और शास्त्री जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से हुई। उप जिलाधिकारी चंद्रकांता ने कहा, "महात्मा गांधी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की नींव रखी थी। आज के दौर में हमें उनके सिद्धांतों को अपनाकर ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ और हरा-भरा बनाना होगा।" वहीं, पारुल सिसोदिया ने शास्त्री जी की सादगी और देशभक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके नारे ने आज भी कृषि और सैनिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। मुख्य कार्यक्रम के बाद सभी अधिकारियों ने ग्राम पंचायत परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। स्वच्छता सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों के सहयोग से कचरा संग्रहण किया गया और जागरूकता के लिए पोस्टर वितरित किए गए। इसके अलावा, पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पेड़-पौधे लगाए गए। ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में नीम, पीपल और अन्य वृक्षारोपण किया गया, जिससे गांव की हरियाली बढ़ेगी। ब्लॉक प्रमुख सरदार गुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों से ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आ रही है।

सोशल मीडिया पर हिन्दू देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी/अश्लील फोटो पोस्ट करने वाला युवक पुलिस ने किया गिरफ्तार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सोशल मीडिया फेस बुक आई0डी0पर हिन्दू देवी देवताओं के संबंध में अभद्र व आपत्तिजनक टिप्पणी/अश्लील फोटो पोस्ट करने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार है। ज्ञात रहे कि वादी उ0नि0 श्री सोनू कुमार थाना हसनपुर जनपद अमरोहा ने अभियुक्त कौशिन्दर पुत्र फतेह सिंह नि0ग्राम रूखालू थाना हसनपुर जनपद अमरोहा द्वारा सोशल मीडिया फेस बुक पर आई0डी0 पर हिन्दू देवी देवताओं के संबंध में अभद्र व आपत्तिजनक टिप्पणी/अश्लील फोटो पोस्ट करने के सम्बन्ध में थाना हसनपुर पर मुकदमा बीएनएस पंजीकृत कराया था। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा क्षेत्राधिकारी हसनपुर व प्रभारी थाना हसनपुर को पुलिस टीमें गठित कर घटना का शीघ्र अभियुक्त की गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में गुरुवार को थाना हसनपुर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया फेस बुक पर आई0डी0 पर हिन्दू देवी देवताओं के संबंध में अभद्र व आपत्तिजनक टिप्पणी/अश्लील फोटो पोस्ट करने वाले अभियुक्त कौशिन्दर पुत्र फतेह सिंह नि0ग्राम रूखालू थाना हसनपुर जनपद अमरोहा को किया गिरफ्तार गया। पूछताछ पर अभियुक्त कौशिन्दर ने बताया कि सोशल मीडिया फेस बुक ग्रुप पर मेरी आईडी है, जिसे मैं चलाता हूँ । फेसबुक ग्रुप पर हिन्दू देवी की अश्लील फोटो व आपत्तिजनक पोस्ट मुझे मिली थी, जिसे मैनें कॉपी करके अपने फेसबुक अंकाउंट पर पोस्ट कर दिया था, जिसका उसे पछतावा है और अपनी गलती की माफी मांगते हुए आगे से ऐसा नहीं करना स्वीकार किया ।

महात्मा गांधी की जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- आदर्श नगर पालिका हसनपुर के प्रांगण में महात्मा गांधी जी की जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी को माल्यार्पण कर एवं भगत सिंह पार्क में शहीद भगत सिंह जी को माल्यार्पण कर जयंती मनाई गई। जिसमें हसनपुर आदर्श नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी , खए तेजपाल सिंह, सभासद शाहनवाज अंसारी, करण सिंह, बाबू , सभासद हम्जा अली, सभासद यशपाल चौहान, सभासद राजपाल सैनी, सभासद मोनिश, सभासद मोसिन खान, सभासद चमन देवी, सभासद लियाकत भाई , मुकेश गुप्ता , संजीव सैनी, राकेश सैनी, अर्पण गुप्ता, विक्रांत शर्मा, संजय सहदेव, सचिन गुप्ता, जावेद जरताब, शाहनवाज अहमद व अन्य सभी साथी उपस्थित रहे।

गजरौला में रामलीला देखने गए युवक को दबंगों ने बेरहमी से पीटा

गजरौला (सब का सपना):- नगर कोतवाली में रामलीला देखने गए युवक को दबंगों बेल्टो व डंडों से बेरहमी पीटकर घायल कर दिया।घटना के दौरान किसी ने झगड़े का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।इस मामले में कस्बा चौकी इंचार्ज जोगिंदर सिंह ने बताया कि मामले का वीडियो संज्ञान में आया है जांच की जा रही है आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली के बस्ती इलाके का है जहां पर मोहल्ला अवंतिका नगर में स्थित अवंतिका पार्क में रामलीला मंचन का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार की रात को रामलीला मंचन के दौरान युवकों के दो गुटों में जमकर मारपीट हो गई इस घटना में करीब एक दर्जन दबंग युवकों ने एक युवक को बेल्टो और डंडों से जमकर पीटा और घायल कर दिया।इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो से लिए गए फुटेज में आप खुद ही देख सकते हैं कि युवकों के दो गुटों में जमकर मारपीट हो रही है बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर युवकों के बीच कहां सुनी हुई थी जो देखते ही देखते बड़े विवाद में बदल गई, विवाद बढ़ने पर दोनों गुटों में लात ,घुसे, डंडे और बेल्ट चलनी शुरू हो गई, मारपीट करने वाले सभी युवक बस्ती इलाके के बताए जा रहे हैं। वायरल वीडियो के फुटेज में घटना के दौरान लोगों की काफी भीड़ दिखाई दे रही है। रामलीला मंचन के दौरान पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ऐसी घटना होने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।इस मामले में कस्बा चौकी इंचार्ज जोगेंद्र सिंह ने बताया है कि पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है, वीडियो की जांच की जा रही है, वीडियो के आधार पर जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

गांव सलेमपुर गोसाई में कलश व शोभायात्रा का आयोजन

वर्ष में दो बार आने वाले माता के नवरात्रों में हर बार निकाली जाती है शोभा यात्रा
नवरात्रों में माता के मंदिर में जलती है अखंड जोत,जोत विसर्जन के दौरान कराया जाता है शोभा यात्रा का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर क्षेत्र के गांव सलेमपुर गोसाई में दशहरा के अवसर पर कलश एवं शोभा यात्रा का आयोजन कराया गया। शोभा यात्रा को डीजे के साथ निकाल गया, जिसमें सुंदर-सुंदर झांकियों ने गांव के लोगों का खूब मन मोहा उधर डीजे की धुन पर भक्तों ने भी जमकर डांस किया। आपको बता दें कि गांव सलेमपुर गोसाई स्थित चामुंडा मंदिर पर वर्ष में दो बार आने वाले प्रत्येक नवरात्रों में भक्तों द्वारा नौ दिन तक माता की अखंड ज्योत जलाई जाती है। जिसको विसर्जन करने हेतु गांव में शोभायात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा को भक्तों द्वारा दसवीं में निकाला जाता है। उसी कड़ी में बुधवार को भक्तों द्वारा नवमी के दिन नौ कन्याओं का पूजन कर बृहस्पतिवार को दशहरा के अवसर पर माता की ज्योत को विसर्जन करने हेतू माता के भक्तों द्वारा एक कलश एवं शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा को भक्तों द्वारा बड़े ही भक्ति भाव और सुंदर तरीके से सजाया गया, जिसमें माता के नौ रूपों की सुंदर झांकियों, राधा कृष्ण व शिव पार्वती की सुंदर झांकियां ने राधा कृष्ण एवं शिव पार्वती के भक्ति गीतों पर नृत्य कर ग्रामीणों का खूब मन मोहा। इसके अलावा शोभायात्रा में शामिल भक्तों ने भी डीजे की धुन पर जमकर डांस किया। शोभा यात्रा के दौरान माता की ज्योत को बड़े ही सुंदर तरीके से सजाकर माता के मंदिर से प्रारंभ किया गया एवं गांव के मुख्य मार्गो से होते हुए वापस माता के दरबार में जाकर समापन किया गया।

नायाब अब्बासी डिग्री कॉलेज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मनाई गई जयंती

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज-५ के अन्तर्गत नायाब अब्बासी डिग्री कालिज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पूरे उत्साह और श्रद्धा से मनाई गई।इस अवसर पर दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर प्राचार्या डा.लुबना हामिद ने पूरे स्टाफ के साथ माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए डा.मुबारक अली ने कहा कि राष्ट्रपिता ने जो अहिंसा का रास्ता दिखाया वह आज भी सार्थक और प्रभावी है।भूगोल विभागाध्यक्ष डा.निकहत नकवी ने कहा कि राष्ट्रपिता की शिक्षाओं ने पूरे विश्व को प्रभावित किया है।चीफ प्राक्टर डा.महताब अमरोहवी ने अपने संबोधन में कहा कि जहां स्व लाल बहादुर शास्त्री ने नैतिकवादी राजनीति का पाठ पढ़ाया तो बापू ने सत्य अहिंसा की शिक्षा के सिद्धांत से देश को आजादी दिलाई यही कारण है कि आज विश्व के एक सौ से अधिक देशों में उनकी प्रतिमाएँ लगी हैं यह स्थान विश्व के किसी नेता को नहीं मिला।जो हम भारतीयों के लिए गौरव की बात है। हिन्दी प्रवक्ता अर्चना शर्मा ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को नमन करते हुए कहा कि यदि वर्तमान परिवेश में इन महान नेताओं के विचारों और शिक्षाओं पर अमल किया जाय तो बहुत सी समस्याओं का समाधान हो सकता है।शिक्षा विभाग की प्रवक्ता डा.सरिता चौधरी ने कहा कि बापू और शास्त्री नेता होने के साथ साथ दार्शनिक और संत प्रवृति के लोग थे जिन्होंने ने बताया कि संयम और अहिंसा से किसी को भी जीता जा सकता है।डा.तशकील ने कहा कि हमें उनके विचारों से नई ऊर्जा मिलती है । कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्या डा. लुबना हामिद ने कहा कि हमें दो अक्टूबर के अलावा हर दिन हर समय उनकी शिक्षाओं पर विचार करने के साथ साथ अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है तब ही हमारी श्रद्धांजलि और प्रेम सार्थक होगा। इस अवसर पर कसीम अशरफ ,डा. नसीम अहमद , डा. एम अथर कमाल,डा. रुचि अग्रवाल,डा. फरह सिद्दीकी , डा.रेशमा जैदी,उजमा सैफी,अरमान सिद्दीकी , रुमाना आबिदी, जुनैद आलम पम्मी,इज्जत अली , डा. महताब आलम,अतुल कुमार सोनी,दुरदाना अकरम फारूकी समेत सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

भारत माता प्रतिमा का उद्घाटन, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने दिया देशभक्ति व शांति का संदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कस्बा बहजोई के कांठ बाजार में भारत माता प्रतिमा का उद्घाटन जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने देशभक्ति, सामाजिक सद्भाव और शांति का संदेश देते हुए समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह में क्षेत्राधिकारी बहजोई,नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू,व्यापारी मंडल के व्यापारी बंधु और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। यह आयोजन स्थानीय समुदाय में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संभल से धनौरा साली से शादी करने पहुंचा जीजा, हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा,पुलिस ने किया चालान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे। बता दें कि संभल निवासी एक जीजा अपनी साली को इस कदर चाहने लगा कि वह संभल से धनोरा अपनी साली से शादी करने के लिए पहुंच गया। इस दौरान मौके पर काफी देर तक हाई वोल्टेज ड्रामा भी हुआ लेकिन जीजा साली से शादी करने की जिद पर आ रहा, नौबत झगड़े की आ गई जब बात नहीं बनी तो रिश्तेदारों ने पुलिस बुला ली और जीजा को पुलिस के हवाले कर दिया। आपको बता दें कि जनपद संभल के थाना नखासा निवासी आस मोहम्मद अपनी साली से शादी करने की जिद पर इस कदर अड़ा की पुलिस तक बुलानी पड़ गई बताया जा रहा है कि आस मोहम्मद लंबे समय से अपनी साली के पीछे पड़ा हुआ था और कई बार अपनी साली से शादी की बात भी कर चुका था। अपने सिर पर शादी करने का भूत लिए आस मोहम्मद मंगलवार को अचानक ससुराल आ धमका और "साली चाहिए मुझे दुल्हन बनाकर" की जिद ठान ली। इस दौरान उसके रिश्तेदारों एवं स्वजनों ने उसको समझाने की काफी कोशिश की लेकिन वह जिद पर अड़ा रहा और मामला झगड़ा तक पहुंच गया नौबत यहां तक आ गई की स्वजनों को मौके पर पुलिस बुलानी पड़ी। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और पुलिस ने स्वजनों शिकायत पर आरोपी को धर दबोचा। इस मामले में फिलहाल आस मोहम्मद के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चालान कर दिया है। वही गांव में भी यह अजीबोगरीब घटना दिनभर चर्चा का विषय बनी रही।

कलक्ट्रेट परिसर में धूमधाम से मनाई गई गांधी जयंती और शास्त्री जयंती

बहजोई/संभल(सब का सपना):- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर कलक्ट्रेट परिसर सहित जनपद के विभिन्न कार्यालयों में उत्साह और हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलक्ट्रेट परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीरों पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर दोनों महान हस्तियों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में जिलाधिकारी के स्टेनो पवन कुमार ने अपने संबोधन में सभी से अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। डिप्टी कलेक्टर रामानुज ने कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी देशभक्ति की मिसाल हैं और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने रामराज्य के उनके दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। नगर मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने राष्ट्रीय पर्वों को धूमधाम से मनाने और जनता को इसके प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह ने समर्थ उत्तर प्रदेश, विकसित उत्तर प्रदेश @2047 के तहत लोगों को अपने सुझाव देने के लिए प्रेरित करने की बात कही। अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और शास्त्री जी की ईमानदारी व सादगी से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस, गांधी जयंती, शास्त्री जयंती और दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए गांधी जी के रचनात्मक कार्यों और दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परिश्रम प्रार्थना के समान है और स्वाध्याय के साथ अध्ययन का दायरा बढ़ाना चाहिए। स्वदेशी को देश की समृद्धि का आधार बताते हुए उन्होंने "समर्थ उत्तर प्रदेश, विकसित उत्तर प्रदेश @2047" के लिए जनता को सुझाव देने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी राम आशीष, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार सहित कलक्ट्रेट और विकास विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए

बहजोई/संभल(सब का सपना):- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बहजोई नगर मंडल के कार्यकताओं ने संगठन के निर्देशानुसार स्वच्छता अभियान और सभा का आयोजन किया। नगर अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा के निवास कैंप कार्यालय और इंटरमीडिएट कॉलेज बहजोई में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान साफ-सफाई और धुलाई के साथ-साथ महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। कार्यकताओं ने महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग से स्वतंत्रता संग्राम को दिशा देने और शास्त्री जी के जय जवान, जय किसान के मंत्र से देश को एकजुट करने के योगदान को याद किया। स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान करते हुए कार्यकताओं ने स्वच्छ भारत के संकल्प को दोहराया। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा, क्षेत्रीय सहसंयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ विकास वार्ष्णेय, नगर महामंत्री आशीष कुमार, नगर उपाध्यक्ष प्रेमशंकर कश्यप, नगर मंत्री नीरज श्रीवास्तव, बूथ अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा, इमरान अली, मनीष कुमार, वरिष्ठ कार्यकर्ता रामप्रकाश मुनीम जी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस आयोजन ने स्वच्छता और सेवा के प्रति कार्यकताओं के समर्पण को दशार्या, साथ ही गांधी और शास्त्री जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

युवा राष्ट्रीय लोकदल कैंप कार्यालय पर आगामी जनसभा को सफल बनाने के लिए की गई समीक्षा बैठक

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- युवा राष्ट्रीय लोकदल के कैंप कार्यालय ढवारसी, जनपद अमरोहा में एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता युवा राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष इरकान अली ने की।
बैठक के मुख्य अतिथि चौधरी सरजीत सिंह (पूर्व जज) मंडल अध्यक्ष रहे। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 12 अक्टूबर 2025 को रजबपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह की जनसभा को सफल बनाने हेतु जनपद अमरोहा से युवा राष्ट्रीय लोकदल के 2500 से 3000 कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं शुभचिंतक भारी संख्या में पहुँचकर रैली को ऐतिहासिक बनाएंगे। इरकान अली जिलाध्यक्ष युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा* ने अपने वक्तव्य में कहा कि "युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा ने ठान लिया है कि रजबपुर की रैली ऐतिहासिक बनेगी इस जनसभा में जनपद अमरोहा से हम कम से कम दो से तीन हजार युवाओं, कार्यकताओं और पदाधिकारियों के सहयोग से पहुँचने का काम करेंगे यह हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि चौधरी चरण सिंह जी की विचारधारा के प्रति हमारी निष्ठा का प्रमाण भी होगा। चौधरी सरजीत सिंह (पूर्व जज) मंडल अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल* ने कहा कि"राष्ट्रीय लोकदल किसानों, मजदूरों और युवाओं की सच्ची आवाज है। अमरोहा की धरती से यह संदेश जाएगा कि किसान-मजदूर का बेटा ही देश की असली ताकत है। रजबपुर की रैली जनआंदोलन का रूप लेगी।" बैठक में मुख्य रूप से चौधरी सतवीर सिंह , शजारुल चमन अहमद हरिराज सिंह नेपाल सिंह , मंगल अरुण कुमार इरकान मलिक अजीत सिंह प्रजापति डॉ. मोहित त्यागी (विधानसभा अध्यक्ष, युवा), अमित गिरी , तसलीम अहमद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा के स्वस्थ नारी सशक्त परिवार कार्यक्रम का हुआ समापन

विधायक विजय पाल आढ़ती, ने फीता काटकर किया शिविर का उद्घाटन

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी, के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सेवा पखवाड़ा के स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के अंतर्गत आयोजित शिविरों की श्रृंखला में आज समापन किया गया कार्यक्रम के समापन के अवसर पर जिला सयुक्त चिकित्सालय हापुड़ में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक विजय पाल आढ़ती द्वारा फीता काटकर किया गया इस अवसर पर विधायक द्वारा शिविर में आए लोगों को भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई साथ ही विधायक के कर कमलों से चार आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया एवं 10 क्षय रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया गया शिविर में आए लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई स्वास्थ्य शिविर में आए लोगों को जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह, के द्वारा क्षय रोग के लक्षण उपचार एवं निदान के विषय में विस्तार पूर्वक बताया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी, जिला सयुक्त चिकित्सालय अधीक्षिका डॉ हेमलता सिंह, स्वास्थ्य शिविर के नोडल अधिकारी डॉ राजेश सिंह, डॉ के0पी0 सिंह, जिला पी0पी0एम0 कोऑर्डिनेटर सुशील चौधरी, उपस्थित रहें।

नवीन पुलिस चौकी का उद्घाटन, अपराध नियंत्रण और त्वरित न्याय पर जोर

संभल(सब का सपना):- जनपद में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से थाना नखासा के अंतर्गत नवीन पुलिस चौकी हिन्दुपुरा खेड़ा का लोकार्पण आज विधिवत रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी संभल राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की उपस्थिति में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत स्थानीय बच्ची आयशा ने फीता काटकर चौकी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। नवीन पुलिस चौकी के स्थापना से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी, साथ ही स्थानीय नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध होगी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर जनता से अपील की कि वे पुलिस के साथ सहयोग करें और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा बनाए रखने में योगदान दें। मिशन शक्ति अभियान के तहत आयशा जैसी बालिकाओं को प्रोत्साहन देने का यह कदम महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

नुक्कड़ नाटक के जरिए महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत जनपद सम्भल में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी दीपक कुमार के निर्देशन में हजरतनगर गढ़ी रामलीला, सम्भल में प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेनू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मरक्षा और अपराध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना था। पुलिस टीम ने मिशन शक्ति अभियान के लक्ष्यों को रेखांकित करते हुए बताया कि यह अभियान महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित व सशक्त माहौल बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को आत्मरक्षा की तकनीकों, शारीरिक-मानसिक सतर्कता और आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लेने की रणनीतियों का प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या हिंसा के खिलाफ निडर होकर आवाज उठाने और कानूनी सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई, ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त की जा सके। प्रभारी निरीक्षक रेनू सिंह ने कहा, मिशन शक्ति के तहत हमारा लक्ष्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। यह नुक्कड़ नाटक उसी दिशा में एक कदम है, जिससे हमारी बेटियां अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक हों और समाज में मजबूत पहचान बनाएं। कार्यक्रम में उप निरीक्षक मैलानी कुजूर सहित महिला थाना पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। यह आयोजन स्थानीय महिलाओं और बालिकाओं में जागरूकता और आत्मविश्वास जगाने में प्रभावी साबित हुआ।

द आर्यन्स में हुआ छात्र परिषद का गठन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यन्स,जोया में विद्यार्थी परिषद के गठन हेतु शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने बताया कि विद्यालय की विभिन्न कार्य प्रणाली को सुचारू रूप से चलाने के लिए छात्र-छात्राओं को विभिन्न पद दिए गए हैं ' जिसमें हेड बॉय, वॉइस हेड बॉय और हेड गर्ल एवं वॉइस हेड गर्ल के साथ ही चारों सदन से हाउस कैप्टन, वाइस हाउस कैप्टन,स्पोर्ट्स कैप्टन एवं चीफ प्रीफेक्ट का चयन भी किया गया। विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह,अनिल कुमार सिंह, निदेशक अमन लिट्ट व गौरव चौधरी तथा प्रधानाचार्य आदेश सिंह के द्वारा अगम्य अतुल्य, अपराजित एवं अग्रिम चारों सदनों के प्रभारी विनीत कुमार शर्मा, रिया कौशिक, धीरज महलवाल एवं राहुल कुमार की उपस्थिति में छात्र परिषद के सदस्य नमन सिंह कक्षा 12 हेड बॉय और सची चौधरी कक्षा 12 हेड गर्ल तथा मृत्युंजय मोहर कक्षा 12 वॉइस हेड बॉय एवं गुनिका चौधरी कक्षा 12 वॉइस हेड गर्ल को बैज पहनाकर अलंकृत किया गया ' इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों में नेतृत्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से हेड बॉय नमन सिंह हेड गर्ल सची चौधरी वॉइस हेड बॉय मृत्युंजय मोहर एवं वॉइस हेड गर्ल गुनिका सिंह को नियुक्त किया गया ' स्कूल में गठित चारों सदन क्रमशः अतुल्य सदन से (कैप्टन) अंशिका चौधरी कक्षा 11,वाइस कैप्टन प्रज्ञा गिल कक्षा 11 ,अग्रिम सदन से गार्गी देओल (कैप्टन) कक्षा 11 एवं आमिश वशिष्ठ वाइस कैप्टन कक्षा 11 तथा अगम्य सदन से अक्षी (कैप्टन) कक्षा 11, आशी वाइस कैप्टन कक्षा 11 तथा अपराजित सदन से लकी चौधरी कैप्टन कक्षा 12 तथा वाइस कैप्टन अवन्या कक्षा 11 एवं चीफ प्रीफेक्ट अंश धारीवाल कक्षा 12 तथा स्पोर्ट्स कैप्टन आदित्य चौधरी वाइस स्पोर्ट्स कैप्टन वंश वांगा को चुना गया ' इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं को अपना दायित्व पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ निभाने की शपथ दिलाई और उन्हें सामूहिक व संयोजन से काम करने के लिए प्रेरित किया ' इस दौरान अजीत सिंह, ममता, जागृति कौशिक, शुभम शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, सुमित चौधरी, प्रेरिता, रिया, अनिल कुमार, फुरकान सैफी, सचिन शर्मा, सोनू, चांदनी बत्रा, प्रगति टंडन, सुचित्रा, कुमुद, सोनू, शिवानी सरोहा, रुकैया, ममता, कल्पना, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, रोहित कुमार, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, प्रतीक कुमार, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, आकाश शर्मा, रूपाली शर्मा, विपिन कुमार, मोनिका, पूजा, धीरज महलवार, अदिति, अनुज, सिखा आनंद, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, रचना, अभिषेक सुमन, रमनबाला, शैलजा चौधरी, आकाश शर्मा, रूपाली शर्मा, विपिन कुमार, मोनिका, अदिति, अनुज, सुमित कुमार, अश्विनी, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी, रचना, हुमा बेबी आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे '

रामलीला का भव्य शुभारंभ: ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने फीता काटा

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकास खंड अमरोहा क्षेत्र की ग्राम पंचायत शाहिदपुर और बीबड़ा खुर्द में रामलीला का धूमधाम से शुभारंभ हुआ। ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने फीता काटकर इस पौराणिक आयोजन का उद्घाटन किया। स्थानीय ग्रामीणों, पंचायत सदस्यों और सांस्कृतिक उत्साहीयों की भारी भीड़ उमड़ी, जो रामलीला के माध्यम से रामायण की अमर कथा को जीवंत करने के लिए उत्साहित नजर आई।यह आयोजन ग्रामीण स्तर पर सांस्कृतिक जागरूकता फैलाने और सामुदायिक एकता को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। गुरेंद्र सिंह ढिल्लों, जो अमरोहा ब्लॉक के प्रमुख के रूप में क्षेत्रीय विकास के लिए सक्रिय हैं, ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, "रामलीला केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं, बल्कि हमारे मूल्यों, धर्म और संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। इस आयोजन से ग्रामीण युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अवसर मिलेगा।" उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी निभाएं, ताकि गांवों में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार हो।शाहिदपुर ग्राम पंचायत में रामलीला का मंच स्थानीय स्कूल के मैदान पर सजाया गया था, जहां पारंपरिक दीपमालाओं, फूलों की मालाओं और रंग-बिरंगे झंडियों से सजावट की गई। बीबड़ा खुर्द में भी समान उत्साह देखने को मिला, जहां ग्रामीण महिलाओं ने विशेष रूप से भगवान राम के स्वागत में आरती और भजन गाए।

साउथ दिल्ली में लाइटिंग से होगी आतिशबाजी और साउंड से धमाका, रामलीला समितियों ने तैयार किए ईको फ्रेंडली रावण

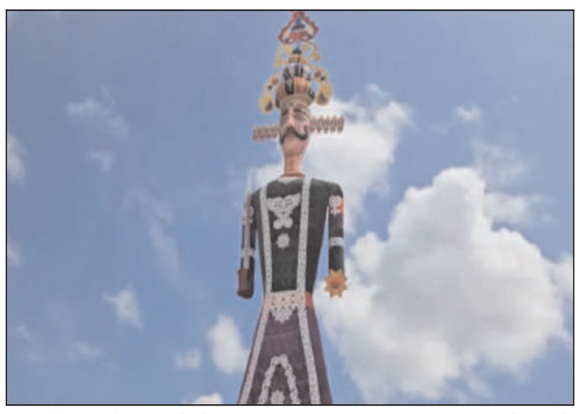

दक्षिणी दिल्ली। दशहरे के दिन धू-धू कर रावण का पुतला जलेगा, तो आतिशबाजी की शानदार रोशनी होगी और पटाखों की तेज धमाकों की आवाज भी, लेकिन प्रदूषण नहीं बढ़ेगा। दरअसल, कई जगहों पर लाइट एंड साउंड के इस्तेमाल से ईको फ्रेंडली रावण दहन किया जाएगा। इसके तहत रंगीन लाइटों और रोमांचक साउंड इफेक्ट्स के साथ आतिशबाजी का प्रदर्शन होगा। दशहरे के बाद प्रदूषण ना बढ़े इसलिए रामलीला समितियों और विभिन्न सोसायटियों ने ये योजना बनाई है। दक्षिणी दिल्ली में कई रामलीला समितियां और विभिन्न संगठन की ओर से दशहरा पूरी तरह प्रदूषण मुक्त मनाया जाएगा। रावण दहन में धुएं और पटाखों की जगह लाइट और साउंड इफेक्ट्स के साथ आतिशबाजी की जाएगी। रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के विशाल ईको फ्रेंडली पुतले जलाए जाएंगे। आयोजकों का कहना है कि इस तरह का आयोजन केवल बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक नहीं होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देगा। चिराग दिल्ली में जलेगा 90 फीट का रावण श्री धार्मिक रामलीला चिराग दिल्ली में रावण का 90 फीट का पुतला दहन होगा। वहीं कुंभकर्ण का 85 फीट और मेघनाथ का 80 फीट का पुतला तैयार किया गया है। समिति के मुख्य आयोजक राकेश गुलिया ने बताया कि किसी भी तरह के प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे इस्तेमाल नहीं होंगे।

दशहरा मेले का आयोजन, बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। यह प्रमुख हिंदू त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, जो भगवान राम की लंका के राजा रावण पर विजय और मां दुर्गा द्वारा राक्षस महिषासुर के वध के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस अवसर पर बहजोई में आयोजित दशहरा मेले ने लोगों का ध्यान खींचा, जहां भारी भीड़ ने उत्साह के साथ भाग लिया। मेले में रामलीला का शानदार मंचन हुआ, जिसमें भगवान राम और रावण के युद्ध के दृश्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों का दहन किया गया, जिसे देखने के लिए हजारों लोग एकत्र हुए। पुतलों के दहन के साथ ही आसमान में आतिशबाजी का नजारा भी देखने लायक था। मेले में झूले, कॉस्मेटिक की दुकानें, चाट-पकौड़ी के स्टॉल, खिलौनों की दुकानें और विभिन्न प्रकार के आकर्षक आइटम लोगों के लिए मुख्य आकर्षण रहे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर आयु वर्ग के लोग मेले की सजावट और रौनक में डूबे नजर आए। मेले में स्थानीय कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसने माहौल को और उत्साहपूर्ण बना दिया। स्थानीय निवासियों ने मेले के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह न केवल धार्मिक महत्व रखता है,
बल्कि समुदाय को एकजुट करने का भी एक शानदार अवसर है। प्रशासन ने भी मेले की व्यवस्था और सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए, जिससे आयोजन सकुशल संपन्न हुआ। दशहरा मेला बहजोई में हर साल की तरह इस बार भी लोगों के लिए आस्था, उत्साह और मनोरंजन का अनूठा संगम साबित हुआ।

गैंग्स्टर्स की 'नजर' स्टार्स पर: कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी की हत्या की साजिश नाकाम, दिल्ली में दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को कालिंदी कुंज क्षेत्र में एक मुठभेड़ के बाद रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और वीरेंद्र चरण गैंग से जुड़े दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। वे कथित तौर पर स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी की हत्या के लिए नियुक्त किए गए थे। हाल के दिनों में फिल्मी हस्तियों को धमकी देने और उन पर हमला होने के मामले बढ़ते देखे जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने बिछाया जाल पुलिस के अनुसार, इन अपराधियों को गैंगस्टर रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और वीरेंद्र चरण के इशारे पर कथित तौर पर स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी की हत्या की योजना बना रहे थे। पुलिस को जानकारी मिली थी कि हरियाणा के ट्रिपल (तिहरे) मर्डर केस के आरोपी नई फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने कालिंदी कुंज क्षेत्र में पुष्टा रोड पर जाल बिछाया। पुलिस को देखते ही चलाई गोली सुबह करीब 3 बजे पुष्टा रोड की ओर आ रही एक बाइक को रुकने का इशारा किया गया। हालांकि, बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों अपराधियों के पैरों में गोली लगी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों शूटरों की पहचान राहुल और साहिल के रूप में हुई है। वे दोनों हरियाणा के पानीपत और भिवानी जिले के रहने वाले हैं। दोनों घायल अपराधियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की हिट लिस्ट में भी पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से वे मुंबई और बेंगलुरु में अपने टार्गेट की रेकी कर रहे थे। इनमें से एक बदमाश राहुल पर हरियाणा के यमुनानगर में दिसंबर 2024 में हुए एक ट्रिपल (तिहरे) मर्डर केस में शामिल होने का भी आरोप है। वर्ष 2024 में दिल्ली में एक गोलीबारी की घटना की जांच के दौरान पुलिस को मुनव्वर फारूकी की जान को खतरा होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इस टिप के बाद, कॉमेडियन को दिल्ली से मुंबई वापस जल्दी लाया गया। बताया जाता है कि यह स्टैंड-अप कॉमेडियन कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की हिट लिस्ट में भी है।

मोबाइल गेम खेलने पर डांटा तो किशोर ने उठाया खौफनाक कदम, घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल

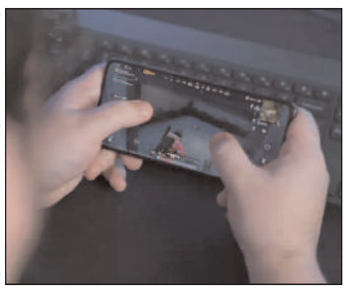

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आदर्श नगर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक भाई को बहन का डांटना इतना नागवार गुजरा कि उसने सुसाइड जैसा खौफनाक कदम उठा लिया। दरअसल, आदर्श नगर में एक 15 वर्षीय लड़के ने कथित तौर पर अपने घर पर आत्महत्या कर ली, क्योंकि वह इस बात से खफा था कि उसकी बहन ने उसे मोबाइल गेम खेलने पर डांटा था। स्थानीय पुलिस स्टेशन को इस संबंध में बुधवार को मौत की सूचना मिली। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) भीष्म सिंह ने कहा, "पूछताछ के दौरान पता चला कि आदर्श नगर निवासी आदर्श नाम के लड़के ने अपनी बड़ी बहन से झगड़े के बाद अपने घर में पंखे से लटककर जान दे दी।" बताया जा रहा है कि यह झगड़ा तब हुआ जब बहन ने उसे मोबाइल गेम खेलने और पढ़ाई में लापरवाही बरतने पर डांटा। पुलिस ने बताया कि घटना का पता चलने पर 9वीं कक्षा के छात्र आदर्श को पास के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आदर्श के पिता सोनीपत के कुंडली स्थित एक कंपनी में काम करते हैं।

रामबाग धाम के विशाल मंच पर श्री राम राज्याभिषेक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया मंचन

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- श्री बारहसैनी रामलीला नाट्य परिषद चन्दौसी द्वारा विजय दशमी (दशहरा) के दिन रामबाग धाम के विशाल पावन मंच पर श्री राम राज्याभिषेक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन किया गया। श्री राम राज्याभिषेक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्व0 मुक्ता वार्ष्णेय धर्मपत्नी महेश चंद्र वार्ष्णेय की पावन स्मृति में यजमान राहुल वार्ष्णेय, इंजी0 वरुणे वार्ष्णेय, तरुण वार्ष्णेय और समस्त परिवार के द्वारा फीता काटकर किया गया। रामलीला में प्रथम दृश्य में भगवान श्री राम जी का बड़ी ही धूमधाम से राज्याभिषेक होता है और राम राज्य का आरंभ होता है। माता सीता जी के साथ राम जी सिंघासन पर विराजमान होते हैं। चारों धाम से निराला व्रज धाम पर हीरालाल और उनके साथियों ने बहुत ही सुंदर नृत्य किया। यह है गीता का ज्ञान,शिव विवाह का मंचन, माता वैष्णो देवी जी का भजन के साथ झाँकी, उमंग वार्ष्णेय का अदभुत नृत्य और भी सुंदर प्रोग्राम आकर्षक का केंद्र रहे। दर्शकों के लिए लकी ड्रा, बम्पर ड्रा, सुपर बम्पर ड्रा लाइट हब स्टोर ए यूनिट ऑफ के0 एन0 इंटरप्राइजेज प्रियांशु गुप्ता कैथल गेट के द्वारा निकाले गए। श्रीरामलीला नाट्य परिषद की ओर से सभी यजमानों का माला, पटका, पगड़ी, पहना कर सम्मान किया गया और एक श्री राम जी चरित मानस और गंगोत्री धाम से लाया हुआ पवित्र गंगाजल उपहार स्वरूप भेट किया गया। राकेश चन्द्र आर्य की ओर से रामलीला नाट्य परिषद के सभी कलाकारों और पदाधिकारियों का एक स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। प्रधान गिरराज किशोर, उपप्रधान नवीन चौधरी,अमित अप्पू , मंत्री कपिल राजा, उपमंत्री दीपक सोनू, धीरेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष संजीव वार्ष्णेय, आय व्यय निरीक्षक गोविन्द किशोर, निर्देशक कन्हैया वार्ष्णेय, प्रदीप शर्मा,
ओमेंद्र वार्ष्णेय, दिव्यांशु नारायण, स्टेज प्रबंधक प्रमोद गुरु, कोठारी महेश वार्ष्णेय, संजीव परचूनी, अमर शर्मा, नवल किशोर,संगीत निर्देशक ॐ शंकर पेंटर, संगठन मंत्री गौरव ए के, रीतिक, उमंग, सुरेंद्र, प्रवर शर्मा, हीरालाल, किशनपाल मुंशी, मुकुल, प्रतीक, हर्षित, रविगोपाल, अमित श्याम, सिद्धार्थ, वंश,वाशु, कृष्णा, नवीन कृतिका, पारुल, चांदनी, दिव्या आदि कलाकार और पदाधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन अमित अप्पू ने किया।

परीक्षा में फेल करने की धमकी देकर प्रोफेसर ने किया छात्रा से छेड़छाड़, गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। दिलशाद गार्डन स्थित जीटीबी अस्पताल परिसर स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज में एमबीबीएस अंतिम वर्ष की छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक असिस्टेंट प्रोफेसर ने छात्रा को परीक्षा में फेल करने की धमकी दी, उसे अपने कमरे में बुलाया और उसके साथ छेड़छाड़ की। छात्रा जब रोते हुए बाहर आई तो उसकी सहेलियों ने उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। छात्रा की शिकायत के आधार पर जीटीबी एन्क्लेव थाना पुलिस ने छेड़छाड़ समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कॉलेज के एनेस्थीसिया विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शाकिर नईम को हरियाणा के रेवाड़ी से गिरफ्तार किया है। उन्हें कड़कड़डूमा कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्हें नौकरी से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर शाकिर नईम पिछले तीन साल से यूसीएमएस में तैनात है। कॉलेज में 26 सितंबर सहित अन्य परीक्षाएं चल रही हैं। आरोप है कि असिस्टेंट प्रोफेसर ने परीक्षा के बाद एक छात्रा को अपने कमरे में बुलाया था। परीक्षा में फेल करने की धमकी देकर उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। जब पीड़िता ने विरोध किया, तो उसने उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पीड़िता किसी तरह कमरे से भाग निकली और रोने लगी। उसकी सहेलियाँ उसके पास आईं और उसे रोता देखकर घटना के बारे में पूछताछ की। छात्रा ने उसे आरोपी की हरकतों के बारे में बताया। पीड़िता की सहेलियों ने उसके परिवार को घटना की जानकारी दी।

रामलीला के दौरान पत्रकारों का हुआ सम्मान

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- नगर के रामबाग धाम पर चल रही रामलीला के दौरान नगर के पत्रकारों का सम्मान किया गया। श्री रामलीला नाट्य परिषद ने रामलीला की उत्कृष्ट पत्रकारिता करने वालों को उपहार देकर सम्मान किया गया। नाट्य परिषद के प्रधान गिरिराज किशोर, उपप्रधान अमित अप्पू, मंत्री कपिल राजा, उपमंत्री दीपक सोनू समेत कई पदाधिकारियों ने नगर के पत्रकार जिसमें एस के सक्सैना, मयंक सक्सैना, हनी चन्द्रा, सरफराज अंसारी, आलोक शर्मा, नवल किशोर, मोहित भारद्वाज आदि पत्रकारों का सम्मान किया।

द आर्यंस स्कूल में दशहरा उत्सव की धूम के साथ हुआ रावण दहन

अमरोहा। जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यंस, जोया में असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसमें विद्यालय की ओर से विशालकाय रावण और आतिशबाजी की व्यवस्था की गई,और विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह, निदेशक अमन लिट्ट और गौरव चौधरी व प्रधानाचार्य आदेश सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से रावण दहन किया गया। इस मौके पर सभी छात्र- छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण में एकत्रित होकर,कार्यक्रम को देखा एवं बुराई पर अच्छाई की जीत दिलाने वाले इस पर्व पर अच्छाई को अपनाने का प्रण लिया तथा संपूर्ण वातावरण दशहरा और आतिशबाजी से गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने बुराई पर अच्छाई की जीत के त्यौहार दशहरा को मनाए जाने के कारण एवं महत्व को विस्तार से समझाते हुए कहा कि हमें सदा अच्छाई के मार्ग पर चलना चाहिए एवं किसी के साथ बुरा नहीं करना चाहिए। विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह व अनिल कुमार सिंह ने कहा कि यह आयोजन छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति के महत्व के साथ परिपक्व नागरिक बनाने के उद्देश्य से किया गया। विद्यालय निदेशक अमन लिट्ट तथा गौरव चौधरी ने कहा कि हमें मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्शों पर चलकर अपने परिवार को एकता के सूत्र में बांधना चाहिए और अहंकार रूपी बुराई का अंत कर स्वच्छ समाज का निर्माण करने में योगदान दें इसी के साथ सभी को नवरात्रि और दशहरे की शुभकामनाएं दीं ' इस आयोजन में संतोष कुमार, अंजना और जागृति कौशिक का विशेष योगदान रहा ' इस दौरान अजीत सिंह, ममता, शुभम शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, सुमित चौधरी, प्रेरिता, रिया, अनिल कुमार, फुरकान सैफी, सचिन शर्मा, सोनू, चांदनी बत्रा, प्रगति टंडन, सुचित्रा, कुमुद, सोनू, शिवानी सरोहा, रुकैया, ममता, कल्पना, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, रोहित कुमार, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, प्रतीक कुमार, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, आकाश शर्मा, रूपाली शर्मा, विपिन कुमार, मोनिका, पूजा, धीरज महलवार, अदिति, अनुज, सिखा आनंद, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, रचना, अभिषेक सुमन, रमनबाला, शैलजा चौधरी, आकाश शर्मा, रूपाली शर्मा, विपिन कुमार, मोनिका, अदिति, अनुज, सुमित कुमार, अश्विनी, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी, रचना, हुमा बेबी आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे '

अमरोहा में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी पर्व : रावण वध के साथ गूंजे 'जय श्री राम' के नारे

अमरोहा (सब का सपना):- पूरे देश में विजयादशमी का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है, जब भगवान श्री राम ने अधर्मी रावण का वध कर सत्य की स्थापना की। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में भी इस अवसर पर भव्य रामलीला का आयोजन किया गया, जहां रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के विशाल पुतलों का दहन कर असत्य पर सत्य की जय का संदेश दिया गया। अमरोहा शहर के जेएस हिंदू इंटर कॉलेज रामलीला मैदान में श्री धार्मिक रामलीला महोत्सव का समापन धूमधाम से हुआ। हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों के बीच भगवान राम का चरित्र निभाने वाले कलाकार ने तीर चलाकर रावण के पुतले का वध किया। इसके बाद, रावण के विशाल पुतले को आग के हवाले कर दिया गया, जिससे आसमान में चिंगारियां उड़ने लगीं। इस दौरान 'जय श्री राम', 'जय सियाराम' और 'भारत माता की जय' के नारे गूंजते रहे। पुतला दहन का यह दृश्य रामायण के लंका विजय अध्याय की याद दिला गया, जब श्री राम ने 14 वर्ष के वनवास के बाद लंका पर चढ़ाई कर रावण का संहार किया था।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने रावण के पुतले का दहन किया, जबकि पुलिस अधीक्षक ने भी इस परंपरा में शिरकत की। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि विजयादशमी का संदेश आज के दौर में भी प्रासंगिक है। अधर्म के विरुद्ध धर्म की हमेशा जीत होती है। इसी प्रकार, अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह, अमरोहा नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शशि जैन और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया ने मेघनाथ के पुतले का दहन किया। मेघनाथ, जो रावण का पुत्र और शक्ति का प्रतीक था, उसके दहन से दर्शकों में उत्साह का संचार हुआ। वहीं, उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे और क्षेत्र अधिकारी ने कुंभकरण के पुतले का दहन किया। कुंभकरण का विशाल पुतला, जो अपनी भयंकर शक्ल के लिए जाना जाता है, जलते ही भक्तों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। इन सभी दहन कार्यक्रमों के बाद मैदान में सत्य की विजय का परचम लहराया गया, जो राम राज्य की स्थापना का प्रतीक बना। इसके बाद, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने भगवान श्री राम और माता सीता की आरती उतारी। आरती के दौरान मंगल गान और भजन की धुनें गूंजीं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। जिलाधिकारी ने बताया कि विजयादशमी हमें सिखाता है कि धैर्य, सत्य और धर्म का पालन करने से हर बाधा दूर हो जाती है। श्री राम का जीवन हमें नैतिक मूल्यों की शिक्षा देता है।"विजयादशमी का पर्व रामायण के अनुसार मनाया जाता है, जिसमें नौ दिनों तक रामलीला का मंचन होता है और दसवें दिन रावण वध का चित्रण किया जाता है। अमरोहा में यह महोत्सव पिछले कई वर्षों से आयोजित हो रहा है, जो स्थानीय संस्कृति का अभिन्न अंग बन चुका है। इस बार भी रामलीला में विभिन्न दृश्यों का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जैसे राम का वनगमन, सीता हरण, सुग्रीव से मित्रता और हनुमान का लंका दहन। कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में भूमिकाएं निभाईं, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर रामलीला अपंजीकृत कमेटी के इस दौरान कमेटी संरक्षक विमल टंडन, संरक्षक करूणेश गोयल, मंत्री राकेश वर्मा, कोषाध्यक्ष कुंवर विनीत अग्रवाल, मंत्री शार्दुल अग्रवाल , रमेश कालू, विनोद गुप्ता, अनिल टंडन,, ब्रजेश चौधरी ,कपिल शर्मा, राम सिंह सैनी , योगेश जैन, कमलेश चंद सर्राफ , शरद अग्रवाल ,मनोज माहेश्वरी , संदीप अग्रवाल , डॉ जी पी सिंह , अभय आर्य, अंकित बंसल, कपिल अग्रवाल एड, अजय गर्ग , अशोक अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, सुलभ अग्रवाल , अजय चतुवेर्दी, अशोक गुप्ता , निखिल जैन , अमित सैनी , प्रेम सिंह सैनी, सुधांशु विशनोई, मनोज माहेश्वरी ,अंश अग्रवाल, सक्षम गर्ग , संजय गर्ग , हरीश अरोरा, विकास टंडन , लखन रघुवंशी, अंकित गुप्ता, हर्ष माहेश्वरी,अरविंद अग्रवाल, सुनील गुप्ता, राजीव आर्य, राजीव लोचन रस्तोगी, रमेश कलाल, विकास बाबू प्रजापति, रवि माहेश्वरी , रणवीर सिंह , राहुल कुशवाहा, रवि कुशवाहा, दीपक बंसल, अचल अग्रवाल, मनु कमल गुप्ता, मनुज गोयल, विशाल रस्तोगी, ऋषि चौहान , तनिष्क गोयल, लव खंडेलवाल, तिलकराज चौहान,

जन्म के कुछ देर बाद ही नवजात को कूड़े में फेंका, बच्ची की मौत

यमुनानगर : यमुनानगर में नवमी के दिन एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। रेलवे फ्लाईओवर के पास कूड़े के ढेर पर एक नवजात बच्ची मृत अवस्था में मिली। बताया जा रहा है कि बच्ची का जन्म करीब 14 घंटे पहले हुआ था और जन्म लेते ही उसे बेरहमी से कूड़े में फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों ने जब नवजात को देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाकर जांच की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना ने नवमी जैसे पावन दिन पर समाज को झकझोर दिया है। जब लोग कन्याओं का पूजन कर रहे थे, उसी दिन किसी मां ने अपनी बेटी को जन्म देते ही मौत के हवाले कर दिया। अब पुलिस उस महिला की तलाश में जुटी है जिसने यह घिनौना कदम उठाया।

मासूम शर्मा के शो में हत्या का मामला: 7 युवकों पर आरोप तय, अब होगी ये कार्रवाई

चंडीगढ़ : पंजाब यूनिवर्सिटी में हुए हत्या के मामले में जिला अदालत ने 7 आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। यह मामला करीब 6 महीने पहले का है, जब हरियाणा के लोकप्रिय गायक मासूम शर्मा का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उसी दौरान हुई झड़प में एक युवक आदित्य ठाकुर की हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि इस घटना में 7 युवक शामिल थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के नाम ऋतिक, प्रेम भानू, हर्ष उर्फ हर्ष, उदय, तुषार, राघव, लविश और साहिल बताए गए हैं। अब इन सभी पर हत्या समेत भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा चलेगा। बुधवार को अदालत ने सभी आरोपियों पर आधिकारिक रूप से आरोप तय किए, जिसके बाद अब सुनवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। यह मामला यूनिवर्सिटी कैंपस में सुरक्षा व्यवस्था और आयोजनों के दौरान कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करता है।

दहन से पहले ही ढह गया रावण, मचा हड़कंप, बड़ा हादसा टला

पानीपत : विजयदशमी के दिन पानीपत के दशहरा ग्राउंड में बड़ा हादसे होने से टल गया। दरअसल दशहरा उत्सव को लेकर बनाया गया रावण का पुतला दहन से पहले ही गिर गया। जिससे पुतले की गर्दन टूट गई। दशहरा ग्राउंड में आए हुए लोगों में हड़कंप मच गया, क्योंकि हजारों की संख्या में लोग रावण दहन देखने आए थे।इस दौरान रावण के पुतले के साथ-साथ कुंभकर्ण के पुतले के भी गर्दन और पैर टूट गए। हालांकि मैनेजमेंट ने हाइड्रा क्रेन दशहरा ग्राउंड में बुलाई। जैसे ही कुंभकरण के पुतले को खड़ा करने का किया प्रयास तो वह फिर से गिर गया और टूट गया। ग्राउंड में रावण और मेघनाथ के साथ कुंभकर्ण के पुतले का दहन होना मुश्किल लग रहा है क्योंकि कुंभकरण का पुतला पूरी तरह टूट चुका है।

गुरुग्राम में कपड़ों के बड़े वेयरहाउस में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जला

गुरुग्राम गुरुग्राम के बिनौला औद्योगिक क्षेत्र में कपड़ों के एक बड़े वेयरहाउस में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के इलाकों से काला धुआं दिखाई देने लगा। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। फायर अधिकारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि वेयरहाउस में हजारों मीट्रिक टन कपड़े स्टोर थे, जिससे आग तेजी से फैल गई। फिलहाल किसी के फंसे होने या हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। आग शॉर्ट सर्किट या इलेक्ट्रिकल फॉल्ट के कारण लगी होने की संभावना जताई जा रही है। मौके पर पहुंचे फायरमैनों ने पानी की बौछारों से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग ने शुरूआती घंटों में विकराल रूप ले लिया। आसपास के फैक्ट्रियों को अलर्ट कर दिया गया है और यातायात को डायवर्ट किया गया है।

ये शहर बना देश का पहला स्लम फ्री शहर, 4 हजार करोड़ की सरकारी जमीन कराई मुक्त

चंडीगढ़ : पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ अब देश का पहला शहर बन गया है जहां झुग्गी-झोपड़ियों का अस्तित्व खत्म हो गया है। मंगलवार को प्रशासन ने शाहपुर कालोनी में कार्रवाई कर करीब साढ़े 4 एकड़ अवैध कब्जा हटाया। इस जमीन का अनुमानित मूल्य 250 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

संपदा विभाग ने इस वर्ष विशेष अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की। अब तक शहर से 3 अवैध कॉलोनियां हटाई जा चुकी थीं और शाहपुर कालोनी पर अंतिम बुलडोजर चला। कुल 300 से अधिक झुग्गियों को हटाया गया है। प्रशासन का दावा है कि इस वर्ष की कार्यवाही से करीब 4 हजार करोड़ रुपये की सरकारी जमीन मुक्त कराई गई। शहर को स्लम फ्री बनाने का संकल्प वर्ष 2010 में लिया गया था, जिसे पूरा करने में 15 वर्ष का समय लगा। स्लम पुनर्वास योजना के तहत चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड ने अब तक 17,696 छोटे फ्लैट बनाकर पात्र परिवारों को उपलब्ध कराए। हालांकि, हाईकोर्ट में मामला लंबित रहने के कारण कई वर्षों तक कार्रवाई बाधित रही थी।अधिकारी को देना होगा शपथ-पत्र DC निशांत यादव ने आदेश दिया है कि आगे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो, इसके लिए 12 अधिकारियों की टीमें गठित की गई हैं। प्रत्येक अधिकारी को हर 15 दिन में शपथ पत्र देना होगा कि उनके क्षेत्र में कोई नई झुग्गी या कब्जा नहीं है। गौरतलब है कि 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 2013 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी यहां हजारों पात्र परिवारों को फ्लैटों की चाबियां सौंप चुके हैं।

यमुनानगर में दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर, एक चालक की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर घायल

यमुनानगर : जिले के कस्बा साढौरा के अंतर्गत गांव सरांवा में आज सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों ट्रक तेज रफ्तार से चल रहे थे और सरांवा गांव से कुछ ही दूरी पर अचानक आमने-सामने टकरा गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां का मंजर देखकर वे स्तब्ध रह गए। एक चालक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो चुकी थी। वह ट्रक के अंदर बुरी तरह से फंसा हुआ था। ग्रामीणों ने जैसे-तैसे दूसरे घायल चालक को ट्रक से बाहर निकाला, जिसकी दोनों टांगें टूट चुकी थीं। घायल को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। मृतक चालक का शव टक्कर की तीव्रता के चलते बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया था। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल जगाधरी भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है कि हादसा किसकी लापरवाही से हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी कई बार हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक ना तो भारी वाहनों की गति पर लगाम लगाई गई है और ना ही सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीण प्रशासन से सड़क पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

हरियाणा के किसानों की मौज, ट्यूबवेल बिजली बिल का भुगतान किया स्थगित, इसमें भी दी बड़ी राहत

हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत देते हुए ट्यूबवेल कनेक्शनों के बिजली बिलों के भुगतान को दिसंबर तक स्थगित करने की घोषणा की है। विगत जुलाई तक के बकाया बिल अब बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अगले साल जनवरी तक भरे जा सकेंगे। इस राहत से लगभग सात लाख दस हजार किसान लाभान्वित होंगे।

हरियाणा निवास पर बुधवार को विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और विधायक रणधीर पनिहार के साथ मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने फसली ऋण की वसूली स्थगित करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में बाढ़ के कारण 50 प्रतिशत से अधिक फसलें नष्ट हुई हैं और उन क्षेत्रों के ऋणी किसानों की फसल खराबी 33 प्रतिशत या उससे अधिक है, वहां की सहकारी समितियों से खरीफ सीजन के चालू फसली ऋण की वसूली स्थगित की जाएगी। ऐसे किसानों को रबी सीजन की फसल के लिए नया फसली ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस निर्णय से लगभग तीन लाख किसान लाभान्वित होंगे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भारी वर्षा और जलभराव से क्षतिग्रस्त मकानों, घरेलू सामान को हुए नुकसान और मृत पशुओं के लिए प्रभावित 2,386 परिवारों के बैंक खातों में कुल चार करोड़ 72 लाख छह हजार रुपये हस्तांतरित किए। कुल 2,371 मकानों को हुए नुकसान के लिए चार करोड़ 67 लाख 75 हजार रुपये की सहायता राशि जारी की गई है। वहीं, 13 पशुओं की मौत पर चार लाख 21 हजार रुपये वितरित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नुकसान की भरपाई के लिए सरकार ने 15 सितंबर तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला था, जिसमें 6,397 गांवों के पांच लाख 37 हजार किसानों ने 31 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण कराया है। सत्यापन कार्य प्रगति पर है। पानी से फसलें खराब हुए क्षेत्रों में प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तक मुआवजा दिया जाएगा।धान किसानों के खातों में 109 करोड़ रुपये पहुंच चुके हैं। प्रदेश में 30 सितंबर तक पांच लाख टन धान की आवक हुई है, जिसमें से 3.58 लाख टन की खरीद पूरी हो चुकी है।

187 टन बाजरा सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा और 4,970 टन व्यापारियों से खरीदा गया है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत 2,775 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।

राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा बाजरा जिस भाव पर खरीदा जा रहा है, शेष की भरपाई सरकार करेगी। यदि किसी किसान का बाजरा खराब होने के कारण व्यापारियों द्वारा कम मूल्य पर खरीदा जाता है, तो सरकार भावांतर दर के तहत भुगतान करेगी।

यूजीसी ने कैथल की एनआईआईएलएम विश्वविद्यालय को घोषित किया डिफॉल्टर

कैथल : कैथल की एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने वेबसाइट पर अनिवार्य जानकारी उपलब्ध नहीं करवाने की सूरत में डिफाल्टर घोषित किया है। इसमें यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 13 के तहत अनिवार्य जानकारी उपलब्ध करवानी थी, लेकिन प्रबंधन की ओर से इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। सत्यापित दस्तावेजों के साथ जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए कहा अब रिमाइंडरों का हवाला देते हुए यूजीसी ने रजिस्ट्रार द्वारा सत्यापित दस्तावेजों के साथ जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। साथ ही संबंधित जानकारी जल्द से जल्द वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए कहा है। साथ ही कहा गया था कि भरे हुए प्रारूप और परिशिष्टों को वेबसाइट के होमपेज पर लिंक के रूप में अपलोड किया जाए, ताकि छात्र और आम लोग उसे आसानी से देख सकें।दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया इसके बावजूद नीलम यूनिवर्सिटी ने दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया। इस कारण उसे डिफॉल्टर की श्रेणी में डाल दिया गया है। यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार हर विश्वविद्यालय को हितधारकों के लिए पारदर्शी सूचना उपलब्ध कराने हेतु एक वेबसाइट रखना अनिवार्य है। अब यूजीसी की कार्रवाई के बाद इस यूनिवर्सिटी के प्रबंधन पर सवाल उठने लगे हैं और छात्रों के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि लेटर आने के अगले दिन ही उन्होंने सारी जानकारी उपलब्ध करवा दी थी। उसके स्क्रीन शॉट भी यूजीसी को भेजे हैं। जल्द ही कमेटी इस पर विचार कर यूनिवर्सिटी को डिफाल्टिंग से बाहर करेगी।

नमो वन में पौधारोपण कर 500 एकड़ में वृक्षारोपण अभियान का मंत्री ने किया शुभारंभ, अरावली स्पीशीज नर्सरी का किया शिलान्यास

गुड़गांव : आज ह्यराज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह समारोह 2025 का आयोजन किया गया। वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता सुरक्षा और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम मानेसर स्थित अरावली क्षेत्र में राम मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने की। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने समारोह में अपने संबोधन में गुरुग्राम वासियों से आह्वान किया कि वे हर रविवार सुबह कम से कम 1 घंटे अपने समय का योगदान अरावली के ग्रीन अरावली अभियान में दें। उन्होंने कहा कि इस छोटे प्रयास से पूरे शहर में हरियाली बढ़ाने, प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक इस अभियान में नियमित रूप से भागीदारी निभाए, तो गुरुग्राम न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक हरा-भरा, स्वच्छ और विकसित शहर बनने की दिशा में अग्रसर होगा।उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों, मोहल्लों और स्कूलों के आस-पास के खाली स्थानों में पेड़ लगाएं और उनकी देखभाल करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह सिर्फ वृक्षारोपण का कार्य नहीं है, बल्कि समाज और प्रकृति के बीच एक मजबूत जुड़ाव और जिम्मेदारी का संदेश भी है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के नागरिक सामूहिक रूप से इस अभियान में भाग लेंगे, तो यह शहर भारत का मॉडल शहर बनकर उभरेगा, जहां हरियाली, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा का आदर्श स्थापित होगा।उन्होंने सभी से आग्रह किया कि यह प्रयास केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पर्यावरणीय स्थिरता और स्वच्छ जीवन सुनिश्चित करने का माध्यम बने। हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वतमाला अरावली हमारी धरोहर है। यह केवल पर्वतमाला ही नहीं, बल्कि ऋषि-मुनियों की तपस्थली और जैव विविधता का आधार भी रही है। जब तक हमारे वन सुरक्षित रहेंगे, तब तक वन्य जीव-जंतु भी सुरक्षित रहेंगे। जीव-जंतु और पक्षी हमारे पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। यदि हम उनकी रक्षा नहीं करेंगे तो पृथ्वी का संतुलन बिगड़ जाएगा। इसीलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह बेजुबान पशु-पक्षियों की देखभाल करे और वनों की सुरक्षा को अपना संकल्प बनाए। वन्य जीव सप्ताह का उल्लेख करते हुए, राव नरबीर सिंह ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जन-जन को जागरूक करना है ताकि समाज में यह संदेश पहुंचे कि वन्य जीवों की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें हर व्यक्ति को योगदान देना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि पेड़ केवल लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी पांच साल तक एक बच्चे की तरह देखभाल करना भी जरूरी है। जब पेड़ बड़े होंगे तो वे पशु-पक्षियों के लिए आश्रय स्थल बनेंगे और प्रकृति का संतुलन भी ठीक रहेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों, विद्यार्थियों, ग्रामीणों और प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तावित नमो वन में 750 पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ ही 500 एकड़ क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्य का शुभारंभ भी किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की देखभाल बच्चे की तरह की जाएगी, ताकि आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र हरा-भरा बनकर पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण प्रस्तुत कर सके। कार्यक्रम के दौरान मानेसर स्थित शनि मंदिर परिसर में अरावली स्पीशीज नर्सरी का शिलान्यास भी किया गया। यह नर्सरी अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थानीय प्रजातियों के पौधों और वृक्षों की पैदावार, संरक्षण और पुनःरोपण के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगी।

यहां उगाए गए पौधे ग्रीन अरावली अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, जिससे न केवल हरा-भरा वातावरण बनेगा, बल्कि वन्य जीवों के लिए आश्रय और जैव विविधता का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा।

आश्विन शुक्ल दशमी को विजयदशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। रामलीला में जगह-जगह रावण वध का प्रदर्शन होता है। क्षत्रियों के यहाँ शस्त्र की पूजा होती है। इस दिन नीलकंठ का दर्शन बहुत शुभ माना जाता है। यह त्योहार क्षत्रियों का माना जाता है। इसमें अपराजिता देवी की पूजा होती है। यह पूजन भी सर्वसुख देने वाला है। दशहरा या विजया दशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था ।

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व

दशहरा

दशहरा (विजयदशमी या आयुध-पूजा) हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिये इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यन्त शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं, शस्त्र-पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण-यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयदशमी भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक है, शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है।

रामलीला मंचन

दशहरा अथवा विजयदशमी राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। देश के कोने-कोने में यह विभिन्न रूपों से मनाया जाता है, बल्कि यह उतने ही जोश और उल्लास से दूसरे देशों में भी मनाया जाता जहां प्रवासी भारतीय रहते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भाँति यहाँ भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियाँ और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर तुरही, बिगुल, ढोल, नगाड़े,

बाँसुरी आदि-आदि जिसके पास जो वाद्य होता है, उसे लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारंपरिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं, व मैदानों में मेले लगते हैं।

बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर, लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहां दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। प्रथम दिन जिसे काछिन गादि कहते हैं, देवी से समारोहारंभ की अनुमति ली जाती है। देवी एक कांटों की सेज पर विरजमान होती हैं, जिसे काछिन गादि कहते हैं। यह कन्या एक अनुसूचित जाति की है, जिससे बस्तर के राजपरिवार के व्यक्ति अनुमति लेते हैं। यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसके बाद जोगी-बिठाई होती है, इसके बाद भीतर रैनी (विजयदशमी) और बाहर रैनी (रथ-यात्रा) और अंत में मुरिया दरबार होता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों,ओडिआ,और आसाम के लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरे बंगाल में पांच दिनों के लिए मनाया जाता है।ओडिशा और असम मे 4 दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं। त्योहार के दौरान शहर में छोटे मोटे स्टाल भी मिठाईयों से भरे रहते हैं। यहां षष्ठी के दिन दुर्गा देवी का बोधन, आमंत्रण एवं प्राण प्रतिष्ठा आदि का आयोजन किया जाता है। उसके उपरांत सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन प्रातः और सायंकाल दुर्गा की पूजा में व्यतीत होते हैं।अष्टमी के दिन महापूजा और बलि भि दि जाति है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं, जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं, व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं, व सिंदूर से खेलते हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। तदनंतर देवी प्रतिमाओं को बड़े-बड़े ट्रकों में भर कर विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। विसर्जन की यह यात्रा भी बड़ी शोभनीय और दर्शनीय होती है।

कर्नाटक में मैसूर का दशहरा विशेष उल्लेखनीय है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुलहन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभा यात्रा का आनंद लेते हैं। इन द्रविड़ प्रदेशों में रावण-दहन का आयोजन नहीं किया जाता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारंपरिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं, जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं।

विजय पर्व

दशहरे का उत्सव शक्ति और शक्ति का समन्वय बताने वाला उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके शक्तिशाली बना हुआ मनुष्य विजय प्राप्ति के लिए तत्पर रहता है। इस दृष्टि से दशहरे अर्थात विजय के लिए प्रस्थान का उत्सव का उत्सव आवश्यक भी है। भारतीय संस्कृति सदा से ही वीरता व शौर्य की समर्थक रही है। प्रत्येक व्यक्ति और समाज के रुधिर में वीरता का प्रादुर्भाव हो कारण से ही दशहरे का उत्सव मनाया जाता है। यदि कभी युद्ध अनिवार्य ही हो तब शत्रु के आक्रमण की प्रतीक्षा ना कर उस पर हमला कर उसका पराभव करना ही कुशल राजनीति है। भगवान राम के समय से यह दिन विजय प्रस्थान का प्रतीक निश्चित है। भगवान राम ने रावण से युद्ध हेतु इसी दिन प्रस्थान किया था। मराठा रत्न शिवाजी ने भी औरंगजेब के विरुद्ध इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था। भारतीय इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जब हिन्दू राजा इस दिन विजय-प्रस्थान करते थे। इस पर्व को भगवती के विजया नाम पर भी विजयादशमी कहते हैं। इस दिन भगवान रामचंद्र चौदह वर्ष का वनवास भोगकर तथा रावण का वध कर अयोध्या पहुँचे थे। इसलिए भी इस पर्व को विजयादशमी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं। ऐसा माना गया है कि शत्रु पर विजय पाने के लिए इसी समय प्रस्थान करना चाहिए। इस दिन श्रवण नक्षत्र का योग और भी अधिक शुभ माना गया है। युद्ध करने का प्रसंग न होने पर भी इस काल में राजाओं (महत्वपूर्ण पदों पर पदासीन लोग) को सीमा का उल्लंघन करना चाहिए। दुर्योधन ने पांडवों को जुए में पराजित करके बारह वर्ष के वनवास के साथ तेरहवें वर्ष में अज्ञातवास की शर्त दी थी। तेरहवें वर्ष यदि उनका पता लग जाता तो उन्हें पुनः बारह वर्ष का वनवास भोगना पड़ता। इसी अज्ञातवास में अर्जुन ने अपना धनुष एक शमी वृक्ष पर रखा था तथा स्वयं वृहन्नला वेश में राजा विराट के यहँ नौकरी कर ली थी। जब गोरक्षा के लिए विराट के पुत्र धृष्टद्युम्न ने अर्जुन को अपने साथ लिया, तब अर्जुन ने शमी वृक्ष पर से अपने हथियार उठाकर शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी के दिन भगवान रामचंद्रजी के लंका पर चढ़ाई करने के लिए प्रस्थान करते समय शमी वृक्ष ने भगवान की विजय का उद्घोष किया था। विजयकाल में शमी पूजन इसीलिए होता है।

विजयदशमी पर पूजें शमी वृक्ष

भारत में प्रत्येक चेतन व अचेतन को सम्मान देते हुए उनका पूजन भी किया जाता है। इनमें वृक्ष-वनस्पतियाँ भी सम्मिलित हैं। जिस तरह चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर नीम, ज्येष्ठ पूर्णिमा वट सावित्री व्रत पर वट वृक्ष, सोमवती अमावस्या पर तुलसी, पीपल का, भाद्रमास की कुशग्रहिणी अमावस्या पर कुशा का और कार्तिक की आँवला नवमी पर आँवले के वृक्ष के पूजन का महत्व है, उसी प्रकार आश्विन शुक्ल दशमी (विजयदशमी) पर दो विशेष प्रकार की वनस्पतियों के पूजन का महत्व है। इनमें से एक है शमी वृक्ष, जिसका पूजन रावण दहन के बाद करके इसकी पत्तियों को स्वर्ण पत्तियों के रूप में एक-दूसरे को ससम्मान प्रदान किया जाता है। इस परंपरा में विजय उल्लास पर्व की कामना के साथ समृद्धि की कामना का रहस्य छुपा हुआ है। दूसरी वनस्पति है अपराजिता (विष्णु-क्रांता)। यह पौधा अपने नाम के अनुरूप ही पहचान देता है। यह विष्णु को प्रिय है और प्रत्येक परिस्थिति में सहायक बनकर विजय प्रदान करने वाला है। नीले रंग के पुष्प का यह पौधा भारत में सुलभता से उपलब्ध है। घरों में समृद्धि के लिए तुलसी की भाँति इसकी नियमित सेवा की जाती है। आयुर्वेद के अनुसार यह पौधा कफ विकारों को दूर करते हुए मासिक धर्म संबंधी समस्याओं के अलावा प्रसव पीड़ा निवारण में भी महत्व रखता है। तंत्र शास्त्र में युद्ध अथवा मुकदमेबाजी के मामले में यह उपयोगी है। विजयदशमी को दुर्गा पूजन, अपराजिता पूजन, विजय प्रयाण, शमी पूजन तथा नवरात्र पारण के महान कर्म हैं। क्लाइटोरिसाटरनेटिया डालकुलम प्रजाति का यह पौधा भगवान राम युग के पहले से ही व्यवहार में स्थापित है और विद्वानों ने इसका बहुत महत्व बताया है। विजयदशमी को प्रातःकाल अपराजिता लता का पूजन, अतिविशिष्ट पूजा-प्रार्थना के बाद विसर्जन और धारण आदि से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होते हैं। ऐसी पुराणों में मान्यता हैं।

विजयदशमी अर्थात् अपराजिता पूजन

विजयदशमी का पर्व उत्तर भारत में आश्विन शुक्ल पक्ष के नवरात्र संपन्न होने के उपरांत मनाया जाता है। शास्त्रों में दशहरे का असली नाम विजयदशमी है, जिसे अपराजिता पूजा भी कहते हैं। नवदुर्गाओं की माता अपराजिता संपूर्ण ब्रह्मांड की शक्तिदायिनी और ऊर्जा उत्सर्जन करने वाली हैं। महर्षि वेद व्यास ने अपराजिता देवी को आदिकाल की श्रेष्ठ फल देने वाली, देवताओं द्वारा पूजित और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) द्वारा नित्य ध्यान में लाई जाने वाली देवी कहा है। गायत्री स्वरूप अपराजिता को निम्नलिखित मंत्र से भी पूजा जाता है -

ओम् महादेव्यै च विह्महे दुर्गायै धीमहि तन्नो देवी प्रचोदयात।।
ओम् नमः सर्व हिताथैयै जगदाधार दायिके।
साष्टांगोष्प्रणामस्ते प्रयत्नेन मया कृतः।
नमस्ते देवी देवेशि नमस्ते ईप्सित प्रदे।
नमस्ते जगतां धातित्र नमस्ते शंकरप्रिये।।
ओम् सर्वरूपमयी देवी सर्व देवीमयं जगत।
अतोष्हं विश्वरूपां तां नमामि परमेश्वरीम।।

चारों युगों के आरंभ होने के समय से ही देवी अपराजिता के पूजन का भी आरंभ हुआ। कथा के अनुसार, देव-दानव युद्ध का काफी लंबा अंतराल बीत चुका था। नवदुर्गाओं ने दानवों के संपूर्ण वंश का नाश कर दिया। इसके बाद माता दुर्गा अपनी आदिशक्ति अपराजिता का पूजन करने के लिए शमी की घास लेकर हिमालय में अंर्तध्यान हो गईं और आर्य व्रत के राजाओं ने इस विजय को उत्सव के रूप में मनाते हुए विजयदशमी पर्व का आरंभ किया। उल्लेखनीय है कि उस वक्त विजयदशमी देवताओं द्वारा दानवों पर विजय प्राप्त करने के उपलक्ष्य में मनाई गई थी। इस युद्ध में देवताओं के साथ धरती के राजा दशरथ, जनक और शोणक ऋषि जैसे राजाओं ने भी अपना युद्ध कौशल दिखाया था। बाद में रामायण काल में राम का राज्याभिषेक हुआ, लेकिन इसी दौरान रावण एवं अन्य दानवों के अत्याचारों से धरती फिर अशांत हो गई। धरती के जीवों को उनसे बचाने के लिए राम को वनवास पर जाना पड़ा। वैसे, राम ने अपने बाल्यकाल से ही आर्याव्रत पर घिरे हुए राक्षसों को एक-एक करके मारा। सबसे बड़े राक्षस रावण को मारने के लिए उन्हें जो श्रम करना पड़ा, उसका उल्लेख रामायण में मिलता है। राम-रावण युद्ध नवरात्रों में हुआ। रावण की मृत्यु अष्टमी-नवमी के संधिकाल में और दाह संस्कार दशमी तिथि को हुआ। इसके बाद विजयदशमी मनाने का उद्देश्य रावण पर राम की जीत यानी असत्य पर सत्य की जीत हो गया। आज भी संपूर्ण रामायण की रामलीला नवरात्रों में ही खेली जाती है और दसवें दिन सायंकाल में रावण का पुतला जलाया जाता है। इस दौरान यह ध्यान रखा जाता है कि दाह के समय भदा न हो। रामायण काल के बाद दशहरा मूलतः राजाओं यानि क्षत्रिय राजाओं का त्योहार माना गया। इसे राजाओं के विजय उत्सव के रूप में देखा जाने लगा। वे युद्ध में विजयी होकर उत्सव के रूप में अपनी प्रजा के बीच पहुंचते थे। मैसूर में वहां के राजा की सवारी काफी प्रसिद्ध रही है। वह इस दिन हाथी पर बैठकर अपने महल से बाहर आते थे और दशहरा मैदान में मां अपराजिता की पूजा करते थे। राजाओं की परिपाटी समाप्त होने के बाद आज वहां के राज्यपाल इस परंपरा का निर्वहन करते हैं। इसी तरह, हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू का दशहरा भी बहुत प्रसिद्ध है। यहां दशमी से अगले 15 दिन तक रोज वहां के भूतपूर्व राजा या उनके वंश को कोई व्यक्ति जनसभा में रावण दाह करके विजयदशमी का पूजन करता है। ऐसे ही सार्वजनिक उत्सव बनारस और इलाहाबाद में भी होते हैं। बंगाल में यह पूजन दुर्गा पूजा से ही जोड़ा जाता है। दुर्गा पूजा की महानवमी के बाद विजय दशमी के दिन कोलकाता समेत सारे बंगाल में मंदिरों में पंडाल सजते हैं और उत्सव मनाया जाता है। इसी दिन आदिशक्ति दुर्गा सहित काली पूजन और अपराजिता पूजन की रस्म भी निभाई जाती है। कुल मिलाकर, विजयदशमी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस विजय के लिए देवी मां अपराजिता अपनी अपार शक्ति समय-समय पर शूरवीर राजाओं को प्रदान करती रहती हैं।

विजयदशमी का पर्व हमारी संस्कृति से जुड़ा है। अपार भीड़ खींचने वाली यह सांस्कृतिक परंपरा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने घर और बाहर उस विजयपर्व का आनंद उठाते हैं, जिसका आरंभ हजारों साल पहले हुआ था।

सिनेमा के बारे में मुझे उन्होंने ही सबकुछ सिखाया, संजय लीला भंसाली की तारीफ में बोले रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर ने साल 2007 में संजय लीला भंसाली की फिल्म सावरिया से डेब्यू किया था। अब वे भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर करीब 18 साल बाद संजय लीला भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। लाइव सैशन में की रणबीर ने फैंस से बात न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए कहा कि अभिनय के बारे में वे जो कुछ भी जानते हैं, वह भंसाली ने ही उन्हें सिखाया है। दरअसल, रणबीर कपूर ने 28 सितंबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ लाइव सैशन आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने अपने को-एक्टर्स और निर्देशक भंसाली के बारे में बात की।

अगले साल रिलीज होगी लव एंड वॉर

फिल्म लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज होगी। इसमें रणबीर के अलावा आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। फिल्म लव एंड वॉर के निर्देशन की कमान संजय लीला भंसाली ने संभाली है। रणबीर ने कहा, इस फिल्म में मेरे दो पसंदीदा हैं। एक, विक्की कौशल। इसके अलावा मेरी सुपर टैलेंटिड वाइफ आलिया भट्ट।

भंसाली को बताया उस्ताद

रणबीर ने आगे कहा, इस फिल्म का निर्देशन वह शख्स कर रहे हैं, जिन्होंने मुझे सिनेमा के बारे में सबकुछ सिखाया। अभिनय के बारे में मैं जो कुछ भी जानता हूं, वह उन्हीं की देन है और उस समय वे एक उस्ताद थे। मैं उनके साथ 18 साल बाद काम कर रहा हूं। आज वे और भी बड़े उस्ताद हैं। इसलिए मैं इस सहयोग से बहुत खुश हूं। बता दें कि इस फिल्म में रणबीर पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

सनी संसारी की तुलसी कुमारी में सान्या मल्होत्रा का बोल्ड नया अवतार!

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अपने नए बोल्ड अवतार से सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली, सान्या ने एक निडर और फ्रेश लुक लेकर आ रही है जो फिल्म के जीवंत और बेबाक मूड को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट करता है। यह नया अवतार पहले से ही ट्रेंड कर रहा है। फैंस उनके आत्मविश्वास, ग्लैमर और स्वैग की खूब तारीफ कर रहे हैं। चाहे वो उनका स्टाइलिश बीचवियर हो या कैमरे के सामने उनका बेबाक अंदाज़ — सान्या का यह नया लुक वाकई में विज़ुअल ट्रीट है। जिसने फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को इस सीज़न की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना दिया है। 'मिसेज़' में अपने गहराई से भरे अभिनय से दिल जीतने के बाद, सान्या इस समय अपने करियर के सबसे यादगार साल का आनंद ले रही हैं। उनकी अनोखी और सामाजिक व्यंग्य पर बनी फिल्म 'कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला है, जो यह साबित करता है कि सान्या न सिर्फ अलग और दमदार सिनेमा की पैरोकार हैं, बल्कि लगातार अपनी कला से दर्शकों को चौंका रही हैं। इस पोस्ट में सान्या एक शानदार नीली बिकिनी पहने नज़र आ रही है, और अभिनेत्री के प्रशंसक और फॉलोअर्स उनके आत्मविश्वास से भरे बदलाव की चर्चा कर रहे हैं। वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, सान्या का नया सिज़लिंग लुक उनके अब तक के पिछले स्टाइल से बिल्कुल अलग बदलाव दिखाता है, जो उनके व्यक्तित्व का एक ग्लैमरस और बिंदास रूप दर्शाता है।

पब्लिसिटी में दम लगा रहे वरुण और जाह्नवी

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को हिट कराने के लिए वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जमकर मेहनत कर रहे हैं। अब रोहित सराफ ने वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और सान्या मल्होत्रा को टैग कर वीडियो पोस्ट की है, जिसमें पांचों स्टार्स लग्जरी कार की सवारी कर रहे हैं और कार में भी मस्ती करने का मौका नहीं गंवा रहे। वीडियो में सभी लोग अपने ही फिल्म के गाने बिजुरिया पर गजब के एक्सप्रेशन के साथ डांस कर रहे हैं लेकिन सारी लाइमलाइट मनीष पॉल लूट लेते हैं, क्योंकि वीडियो के आखिर में भी एक्टर कॉमेडी ही कर रहे हैं।

बीते रविवार से ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म के लिए फिल्मी गुरुवार मुश्किल रहेगा, क्योंकि इसी तारीख को ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा- चैप्टर 1 भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये एक पैन इंडिया फिल्म है और कई भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म लगभग 125 करोड़ के बजट के साथ बनी है, जबकि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का बजट लगभग 60 करोड़ है। अब देखना होगा कि पहले दिन कौन सी फिल्म दर्शकों का दिल जीतेगी और बड़ी कमाई करेगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन और जान्हवी कपूर की ये साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को बवाल में देखा गया था। फिल्म ने औसत कमाई की थी लेकिन ओटीटी पर फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिला था।

फिल्म भागवत में जितेंद्र संग अरशद वारसी लगाएंगे तड़का

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी अब एक बार फिर से नए अवतार में पर्दे पर दिखाई देंगे। पहले वह जॉली एलएलबी 2 में वकील और फिर बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड डॉन गफूर के किरदार में दिखाई दिए। और अब वह पुलिस के रोल में नजर आने वाले हैं। वह पंचायत के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। दोनों एकसाथ पहली बार स्क्रीन पर दिखेंगे। उनकी मूवी भागवतका पहला पोस्टर शनिवार, 27 सितंबर को जारी किया गया। इस क्राइम-थ्रिलर मूवी का पोस्टर शेयर करते हुए जी5 ने सोशल मीडिया पर लिखा, और हमें लगा था कि 2025 के सारे ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट आ गया है, भागवत आपके होश उड़ा देने आ रही है।

सच्ची घटना से प्रेरित है फिल्म भागवत

फिल्म भागवत सस्पेंस और जबरदस्त ड्रामा से भरपूर होगी। इसमें इंस्पेक्टर विश्वास भागवत (अरशद वारसी) की कहानी है, जो एक गुमशुदा महिला की तलाश के केस की जांच करता है। लेकिन यह जांच जल्द ही धोखे, रहस्यों और संभावित तस्करी के एक अंधेरे और पेचीदा जाल में उलझ जाती है। इस सीरीज में जितेंद्र कुमार एक प्रोफेसर के रोल में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित है। जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने इसके बारे में बात करते हुए कहा, भागवत एक रोमांचक थ्रिलर है, जो भावनात्मक गहराई और सस्पेंस का शानदार मिश्रण पेश करता है। अरशद वारसी ने अपने किरदार को बहुत बारीकी और गहराई से निभाया है। वहीं, जितेंद्र कुमार एक आकर्षक और अनूठे अंदाज में दर्शकों को चकित करते हैं। सबके साथ आने से यह सिनेमाई भव्यता, साहसिक कहानी और प्रभावशाली अभिनय का संगम बन गया है। अपनी अनोखी शैली और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ, भागवत इस साल की सबसे मनोरंजक और प्रभावी फिल्मों में से एक है।

ओटीटी पर आएगी फिल्म भागवत

इस फिल्म को अक्षय शेरे डायरेक्ट कर रहे हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म जल्द ही ज़ी5 पर रिलीज की जाएगी। इसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

नवरात्रि खुद को खोजने का पर्व, देवी हमारी हर सांस में हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने नवरात्रि को खुद को खोजने का पर्व बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर माता की चौकी का एक वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि नवरात्रि का पर्व उनके लिए क्या मायने रखता है।
तमन्ना भाटिया ने अपनी इस पोस्ट में लिखा, नवरात्रि केवल भक्ति की नौ रातें नहीं हैं, बल्कि यह खुद में लौटने, खुद को खोजने के नौ मौके भी हैं। हर शाम हमें याद दिलाती है कि देवी केवल मंदिरों या त्योहारों में ही नहीं, बल्कि हमारी हर सांस में हैं। उन्होंने आगे लिखा, दुर्गा हमें उन लड़ाइयों का सामना करने की हिम्मत देती हैं, जिनसे हम कतराते रहे हैं। लक्ष्मी हमें प्रचुरता को अपनाना सिखाती हैं-न सिर्फ धन की, बल्कि प्रेम, करुणा और अवसरों की भी। सरस्वती हमें सत्य बोलने और अनिश्चितता में बुद्धिमानी से निर्णय लेने की स्पष्टता देती हैं। काली उन भय, आदतों और पुरानी कथाओं को भस्म कर देती हैं, जो हमें सीमित रखती हैं। 'स्त्री-2' अभिनेत्री ने आगे लिखा, जब हम मां के प्रति समर्पित हो जाते हैं, तो हम जीवन से चमत्कार मिलने का इंतजार करना बंद कर देते हैं और उन्हें अपने कर्मों में ढूंढने लगते हैं। बात यह नहीं है कि हम कितने अनुष्ठान करते हैं, बात यह है कि उन नौ रातों को चुपचाप हमारे खुद को देखने के तरीके को फिर से लिखने दें। इस नवरात्रि हर दीया न केवल उस देवी के लिए जलाएं जिसकी आप पूजा करते हैं, बल्कि उस देवी के लिए भी जो आप पहले से ही हैं। समर्पण करते रहें।
वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया हाल ही में डायना पेंटी के साथ वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर में नजर आई थीं। इस सीरीज में जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे भी दिखाई दिए।

भागवत के प्रोड्यूसर हैं हरमन बावेजा

निर्माता हरमन बावेजा ने कहा, बावेजा स्टूडियोज में हमारा प्रयास हमेशा से ऐसी कहानियों पर आधारित रहा है जो साहसिक, प्रासंगिक और भावनात्मक रूप से ध्यान खींचती हों। भागवत इस कमिटमेंट का एक आदर्श उदाहरण है। यह सिर्फ एक थ्रिलर नहीं है- यह मानव स्वभाव के अंधकारमय हिस्से की एक यात्रा है, जहां प्रेम, छल और न्याय का टकराव होता है।

अक्षय कुमार का आमिर खान पर तंज!

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

एबीपी लाइव के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।

डिजिटल राइट्स के समय निर्माता ओटीटी प्लेफॉर्म से पैसा ले लेते हैं

इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।
हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।